LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com
दैनिक लोकतंत्र की शान
दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 01 जून 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

गर्मी में देशी पेय अपनाएं : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में भारतीय एथलीटों, सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरण संरक्षण की सराहना की

एजेंसी। नई दिल्ली

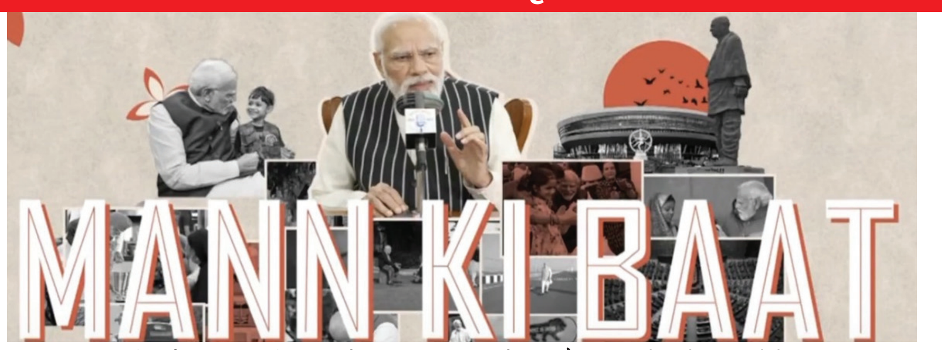

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में खेल क्षेत्र में युवाओं के शानदार प्रदर्शन, प्राचीन सांस्कृतिक संपदा की वापसी, ग्रीष्मकालीन आम की विविधता, पारंपरिक देसी पेय पदार्थों, युवाओं में खगोल विज्ञान के प्रति बढ़ते उत्साह, सैनिक कल्याण में नागरिकों के योगदान, नदियों की सफाई और वन्यजीव संरक्षण जैसे अनेक प्रेरक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इन मुद्दों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक प्रयासों की भावना को भी सराहा। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड की शुरुआत खेल उपलब्धियों से की। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड की राजधानी रांची में हाल ही में आयोजित नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर से करीब 800 एथलीटों ने भाग लिया और चार अलग-अलग स्पर्धाओं में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए। प्रधानमंत्री ने गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार जैसे खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की विशेष सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 मीटर दौड़ की स्पर्धा में महज दो दिनों के भीतर पुरुष वर्ग में यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने यह रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस प्रदर्शन की चर्चा हो रही है और ऐसी सफलताएं न केवल खिलाड़ियों को बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी खेल के प्रति प्रेरित कर रही हैं। उनकी मेहनत और समर्पण भारत के खेल भविष्य को उज्ज्वल बना रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों एथलीटों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में अपनी हालिया यूरोपीय यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि नीदरलैंड्स में एक विशेष समारोह में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस लौटाई गईं। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्र पट्टिकाएं शामिल हैं, जो मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोल प्रथम द्वारा अपने पिता राजराजा चोल के एक वचन को पूरा करने से संबंधित हैं। इन पट्टिकाओं में आनइमंगलम गांव को बौद्ध विहार को दिए गए दान का उल्लेख है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ताम्र पट्टिकाओं से चोल वंश की विशाल समुद्री शक्ति, दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के साथ उनके मजबूत व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंध तथा साम्राज्य की समृद्ध विरासत की जानकारी मिलती है। इस घटना से देशभर में गर्व की लहर दौड़ गई है और खासकर तमिल समुदाय में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। देश-विदेश से लगातार संदेश आ रहे हैं, जो भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति लोगों की गहरी लगाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने आम को हर भारतीय घर की पहचान बताते हुए विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध आम किस्मों का विस्तृत जिक्र किया। उन्होंने महाराष्ट्र और कोंकण के हापुस व अलफांसो, गुजरात के केसर, उत्तर प्रदेश के दशहरी और काशी के लंगड़ा, बिहार के जर्दालू, चौसा और मालदा, दक्षिण भारत के बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल के हिमसागर तथा ओडिशा-आंध्र प्रदेश के सुवर्णरेखा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जगह-जगह आम का स्वाद, रंग और खुशबू बदल जाती है, लेकिन यह हमेशा गर्मियों की खुशियां लेकर आता है। आम उत्पादक किसान भाई-बहनें न केवल देश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं बल्कि वैश्विक बाजार तक भारतीय आम की पहुंच बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्रोत्साहित किया कि वे इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री ने गर्मी की बढ़ती तीव्रता में देशवासियों से सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि तेज धूप और लू में लोग ज्यादा पानी पिएं, धूप से बचाव करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करें। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर भारत में आम पन्ना, पंजाब-हरियाणा में ठंडी लस्सी, राजस्थान-गुजरात में छाछ, बिहार-झारखंड में सत्तू का शरबत, कोंकण-गोवा में कोकम शरबत और सोल कढ़ी तथा दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना जैसे पेयों का भी जिक्र करते हुए इन पेयों को 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ये पीढ़ियों के अनुभव पर आधारित हैं तथा स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हैं। प्रधानमंत्री कहा कि आजकल बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक एस्ट्रोनॉमी क्लब सक्रिय हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में खगोल विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के प्रयासों और 'खगोल मण्डल' टीम द्वारा शुरू किए गए 30 घंटे के इनोवेटिव कोर्स की सराहना की।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

पश्चिम बंगाल में सांसद अभिषेक और कल्याण पर हमला? शत्रुता की राजनीति

पश्चिम बंगाल में हाल के दिनों में जिस तरह से भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा भीड़ के रूप में टीएमसी के कार्यकर्ताओं, उनके कार्यालयों और टीएमसी के बड़े-बड़े नेताओं पर हमले किए जा रहे हैं। यहाँ भाजपा की सरकार बनने के बाद तेजी के साथ हमले बढ़ गए हैं। कार्यालय को गिराया जा रहा है। ऐसा लग रहा है, सत्ता परिवर्तन के साथ ही पश्चिम बंगाल में एक नया गैंग-वॉर शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल में अर्ध सैनिक बल अभी भी तैनात है। जिस तरह से सांसद अभिषेक बनर्जी और उसके बाद सांसद कल्याण बनर्जी को भीड़ द्वारा सड़क पर पीटा गया है, उनका वीडियो बनाया गया है और जिस तरह से राजनीतिक बदले की कार्रवाई की जा रही है। उसके कारण पश्चिम बंगाल के साथ-साथ देश के सभी राज्यों में इसकी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। निर्वाचित सांसदों के साथ हुई हिंसक घटनाओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं।

जब असहमति हिंसा और भीड़तंत्र का रूप लेने लगे, तो यह केवल किसी एक दल या नेता की समस्या नहीं रह जाती है बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढाँचे के लिए चिंता का विषय बन जाता है। पिछले एक दशक में जिस तरह से विपक्षी दलों के ऊपर सत्ता पक्ष के द्वारा ईडीसीबीआई अब एसआईआर के माध्यम से जो राजनीतिक लड़ाई शुरू हुई थी अब वह हिंसक रूप लेती चली जा रही है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद जिस तरह की स्थितियां बनी हैं, यह काफी चिंताजनक है। देश इस समय अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व्यवस्था को लेकर असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, केंद्र एवं राज्य सरकारों की असंवेदनशीलता न्याय पालिका का सरकार के पक्ष में होना। जन आंदोलनो को सरकार एवं पुलिस द्वारा सख्ती से दबाना। मुकदमों में लंबे समय तक जेल में रखने के कारण वैसे ही जन सामान्य में असंतोष है।

पश्चिम बंगाल में जिस तरह की घटनाएं अब देखने को आ रही हैं, उसने जनमानस और युवाओं में बढ़ती निराशा को संवेदनशील बना दिया है। जब आम नागरिक को यह महसूस होने लगता है, उसकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है, तब उसका असंतोष विभिन्न रूपों में सामने आने लगता है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों के बीच यदि हिंसा के माध्यम से आतंक फैलाने या सत्ता को मजबूत करने का कार्य किया जाता है। ऐसी स्थिति में भीड़ को एक नया रास्ता खुद राजनीतिक दल और राजनेता दिखा रहे हैं। वर्तमान स्थिति में भीड़ तंत्र को संभाल पाना किसी भी व्यवस्था के लिए संभव नहीं होता है। लोकतंत्र में संवाद, चुनाव और संवैधानिक प्रक्रियाओं पर जब आम आदमी का विश्वास खत्म हो जाए, जब भीड़ न्याय करने लगे, तो स्थिति बेहद खतरनाक हो जाती है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

देश के 27वें नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। देश के 27वें नौसेना प्रमुख के तौर पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिन्दगी का हर दिन नौसेना को बेहतर, मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाएंगे, ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि भारतीय नौसेना ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा लेवल बनाए रखे, ताकि वह देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा कर सके। उन्होंने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि 'भारतीय नौसेना संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिस पर मेरा मुख्य फोकस होगा। भारतीय नौसेना को दुनिया में सबसे बेहतरीन प्रोफेशनल माना जाता है इसलिए सभी कर्मचारियों की भलाई, व्यावसायिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत विकास मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्व रखेंगे।' उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लिए उनकी बहुत सराहनीय और शानदार सर्विस रही है और वे बहुत ही प्रभावी सीएनएस रहे हैं। उन्होंने अपने नेतृत्व में हर मोड़ पर नौसेना को अपने गाइडेंस और विजन का फायदा दिया है।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से मिले 7 जिंदा कारतूस, मचा हड़कंप

पटना। राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्री को तत्काल हिरासत में ले लिया और बाद में उसे एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार यात्री की पहचान महाराष्ट्र के पुणे जिले के फुरसुंगी निवासी संतोष तिवारी के रूप में हुई है। वह पटना से मुंबई जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग को स्कैनर से गुजारा गया, जहां संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद हुए। सुरक्षा अधिकारियों ने जब संतोष तिवारी से कारतूसों के संबंध में पूछताछ की और उनके वैध लाइसेंस या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास कारतूस रखने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने से संबंधित कोई अधिकृत दस्तावेज भी नहीं मिला। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री 01 जून को नई दिल्ली में करेंगे 'डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग'

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 01 जून को नई दिल्ली में अपने समकक्ष और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ इंडिया-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस डायलॉग में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई प्रगति का आकलन किया जाएगा और आपसे सहयोग के नए रास्ते खोजे जाएंगे। चर्चा में रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने, सैन्य अंतर संचालनीयता बढ़ाने, उद्योग सहयोग और आपसी फायदे के क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा विकास पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा। इस बैठक से द्विपक्षीय रक्षा संबंधों और मजबूत होने, सामरिक भरोसा और सहयोग बढ़ने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के नए क्षेत्र की पहचान होने की उम्मीद है। रिचर्ड मार्लेस का यह दौरा अक्टूबर, 2025 में ऑस्ट्रेलिया में हुई पहली डायलॉग के बाद हो रहा है और यह इंडिया-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बढ़ती रफ्तार को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया, भारत के खुले, सबको साथ लेकर चलने वाले और खुशहाल इंडो-पैसिफिक के विजन में एक अहम साझेदार है। यह दौरा भारत-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस पार्टनरशिप की बढ़ती गहराई और मजबूती को दिखाता है।

टीएमसी के एक और बड़े नेता पर हमला

अभिषेक के बाद हुगली में सांसद कल्याण बनर्जी पर किया गया हमला

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में स्थित चंडीतला पुलिस स्टेशन के बाहर रविवार को राजनीतिक तनाव उस समय बढ़ गया, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने हमला होने और सिर पर चोट आने की बात कही। सांसद का दावा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से उन पर पत्थर या किसी भारी बॉल जैसी अन्य वस्तु से हमला किया गया, जिससे उनके सिर में चोट आई है। वहीं भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक ड्रामा करार दिया है। जानकारी के अनुसार, कल्याण बनर्जी टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के विरोध में तथा गिरफ्तार पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग को लेकर चंडीतला थाने में ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में टीएमसी समर्थक भी उनके साथ मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ज्ञापन सौंपने से पहले ही थाने के बाहर टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच नारेबाजी शुरू हो गई। दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि भाजपा समर्थकों की ओर से लगाए गए नारों के बाद स्थिति और अधिक गर्म हो गई। इसी दौरान कल्याण बनर्जी ने हमले की बात कही और आरोप लगाया कि भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने उन पर वस्तु फेंकी, जो उनके सिर पर लगी। घटना के बाद उन्हें सिर पर भीगा हुआ रूमाल रखे देखा गया। उन्होंने कहा कि वह लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने और ज्ञापन सौंपने जा रहे थे, लेकिन उन पर हमला किया गया। सांसद ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि विपक्षी दलों द्वारा राजनीतिक हिंसा का माहौल बनाया जा रहा है।

भाजपा ने आरोपों को किया खारिज : दूसरी ओर भाजपा नेताओं ने टीएमसी सांसद के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। भाजपा का कहना है कि कल्याण बनर्जी को कोई गंभीर चोट नहीं लगी है और वे सहानुभूति हासिल करने के लिए घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि टीएमसी राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से इस मामले को तूल दे रही है।

जनरल एनएस राजा सुब्रमणि बने देश के नए सीडीएस

नई दिल्ली। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। दक्षिण ब्लॉक लॉन्स में आयोजित समारोह में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वह भारत के तीसरे सीडीएस बने हैं और उन्होंने जनरल अनिल चौहान का स्थान लिया है, जो शनिवार को सेवानिवृत्त हुए थे। पदभार संभालने के बाद जनरल सुब्रमणि ने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय तथा अन्य सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह एकजुट हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के विकास, खरीद तथा उपयोग की प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा। साथ ही आधुनिक युद्ध की चुनौतियों को देखते हुए सेना में नई सोच और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। रक्षा मामलों के जानकार जनरल सुब्रमणि को चीन और पाकिस्तान से जुड़े सामरिक विषयों का विशेषज्ञ माना जाता है।

इबोला संकट: डब्ल्यूएचओ ने देशों से यात्रा प्रतिबंध हटाने की अपील की

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने इबोला संकट से जूझ रहे देशों से सीमाओं पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों और सीमा बंदी को हटाने की अपील की है। उन्होंने खासकर कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) और युगांडा में फैले प्रकोप के मद्देनजर इसतरह के कदमों को अहितकर बताया। इतुरी प्रांत की राजधानी बुनिया में आयोजित कार्यकम में टेड्रोस ने जोर दिया कि इसतरह के प्रतिबंध राहत और बचाव कार्यों में बाधा डालते हैं, जिससे जान बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली पारदर्शिता और जनता का भरोसा कम होता है। बुनिया इस समय इबोला प्रकोप का मुख्य केंद्र बना हुआ है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने उन सभी देशों से अपने फैसलों पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है, जिन्होंने यात्रा प्रतिबंध लागू किए हैं या अपनी सीमाएं बंद की हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के कदम बीमारी से लड़ने के प्रयासों को जटिल बनाते हैं और लोगों में पारदर्शिता व भरोसे को कम करते हैं, जबकि यही चीजें लोगों की जान बचाने में मदद करती हैं।

चार राज्यों में एसआईआर शुरू, 3.68 करोड़ से अधिक मतदाता होंगे शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण के तहत मतदाताओं का सर्वेक्षण और सत्यापन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस चरण में 3.68 करोड़ से अधिक मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। आयोग ने कहा कि पात्र लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने और अपात्र व्यक्तियों को बाहर रखने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया शुरू की गई है। चुनाव आयोग ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के तहत 14 मई 2026 को 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश जारी किया गया था। इसके तहत ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई से मतदाताओं का सर्वेक्षण और सत्यापन चरण शुरू हो गया है। जिन मतदाताओं के प्रगणना फॉर्म 28 जून तक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को प्राप्त हो जाएंगे, उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। आयोग के अनुसार, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मौजूदा मतदाताओं को प्रगणना फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाता भरे हुए फॉर्म बीएलओ के माध्यम से अथवा ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। जो मतदाता निर्धारित समय तक फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकेंगे। नए मतदाताओं के पंजीकरण को आसान बनाने के लिए बीएलओ अपने साथ फॉर्म-6 और घोषणा पत्र भी रखेंगे। आयोग ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों (बीएलए) को भी अधिक सक्रिय भूमिका देते हुए प्रतिदिन 50 तक फॉर्म एकत्र कर बीएलओ को सौंपने की अनुमति दी है।

बंगाल सीमा पर शुरू हुई फेंसिंग, किसान बोले- अब फसलें नहीं लूट पाएंगे घुसपैठिए

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के खुले और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने कई स्थानों पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी घुसपैठ और फसलों की चोरी जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा। मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार क्षेत्र में जीरो लाइन पर स्थित सकारपाड़ा गांव इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। करीब चार हजार की आबादी और ढाई हजार मतदाताओं वाले इस गांव की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। गांव की

मुर्शिदाबाद से कूचबिहार तक तेज हुआ सीमांकन और सुरक्षा ढांचे का काम

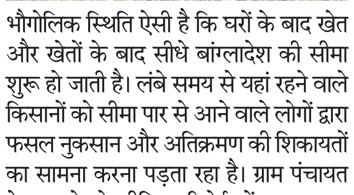

भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घरों के बाद खेत और खेतों के बाद सीधे बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। लंबे समय से यहां रहने वाले किसानों को सीमा पार से आने वाले लोगों द्वारा फसल नुकसान और अतिक्रमण की शिकायतों का सामना करना पड़ता रहा है। ग्राम पंचायत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि भारतीय किसानों को सुरक्षा कारणों से शाम पांच बजे के बाद खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि सीमा पार से लोग कई बार खेतों में घुसकर फसलें काट ले जाते थे। उनका कहना है कि पिछले तीन दशकों में शायद ही कोई महीना ऐसा बीता हो, जब इस तरह के विवाद सामने न आए हों। अब फेंसिंग शुरू होने और बीएसएफ की निगरानी बढ़ने से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सुरक्षा मिलने का विश्वास : ग्रामीणों के अनुसार, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल चेतावनी देते हैं। इससे किसानों को विश्वास मिला है कि उनकी मेहनत की फसल अब पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। नई सरकार के गठन के बाद राज्य प्रशासन ने सीमा सुरक्षा परियोजनाओं के लिए बीएसएफ को अब तक 27 किलोमीटर क्षेत्र की जमीन उपलब्ध कराई है।

पर्यटकों से भरी कार चंबा की खाई में गिरी, 8 की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर पर्यटकों से भरी एक एर्टिगा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना 29 मई की आधी रात को घटित हुई। हादसे के बाद से ही कार में सवार सभी लोग लापता थे और उनके बचने की उम्मीद न के बराबर थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा मौके पर सघन खोज से पता चला की 8 की मौत हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले दो परिवारों के सात लोग हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां बिताने और घूमने के लिए आए थे। ये सभी पर्यटक चंबा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डलहौजी के एक होटल में ठहरे हुए थे। 29 मई की सुबह वे सभी गाड़ी किराये पर लेकर साच पास की तरफ साइट सीन (घूमने) के लिए निकले थे। तय कार्यक्रम के अनुसार पर्यटकों को उसी दिन शाम तक वापस डलहौजी के होटल में लौटना था, जहाँ उन्होंने एडवांस बुकिंग करा रखी थी।

संक्षिप्त समाचार

शालीमार बाग में 157 अवैध इमारतों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू

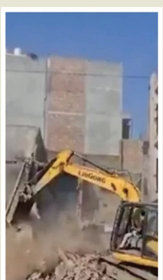

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम और दिल्ली लोक निर्माण विभाग ने संयुक्त रूप से शालीमार बाग में भारी सुरक्षा के बीच सड़क चौड़ीकरण के लिए 157 अवैध इमारतों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद की गई है। हाई कोर्ट ने यहां रहने वाले लोगों को 30 मई तक इमारत को खाली करने का आदेश दिया था।रविवार सुबह भारी सुरक्षा तैनाती और दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ पैरामिलिट्री फोर्स के साथ अतिक्रमण विरोधी तोड़-फोड़ की कार्रवाई चल रही है। उल्लेखनीय है कि सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव के बाद बीच में 157 इमारतों को पहले नोटिस दिए, जिसमें उनसे 30 मई तक इन इमारतों को खाली करने के लिए कहा गया था। दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंचा, लेकिन राहत नहीं मिलने के बाद निर्धारित समय सीमा समाप्त होते ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। सड़क चौड़ी होने के बाद आउटर रिंग रोड से आजादपुर मंडी की ओर जाने वाले मार्ग को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर से सीधे जोड़ा जा सकेगा, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है।

पिछले 12 वर्षों के तकनीकी बदलाव ने विकसित भारत की नींव रखीः डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में हुए तकनीकी परिवर्तन ने साल 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव रख दी है। इस अवधि में भारत तकनीक का अनुसरण करने वाले देश से आगे बढ़कर तकनीक का नेतृत्व करने वाला देश बन गया है।डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को नीति निर्माण के केंद्र में रखा गया है। इससे न केवल नवाचार को बढ़ावा मिला है बल्कि अनुसंधान और विकास को भी नई गति मिली है।उन्होंने कहा कि आज भारत अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, क्वांटम तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। ये सभी क्षेत्र मिलकर भारत के तकनीकी भविष्य को आकार दे रहे हैं और साल 2047 के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे।उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी के बाद भारत का स्पेस इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। स्पेस स्टार्टअप्स की संख्या कुछ से बढ़कर 400 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि क्वांटम मिशन के तहत भारत ने लगभग 2,000 किलोमीटर की क्वांटम संचार क्षमता के लक्ष्य में से आधा कार्य शुरुआती वर्षों में ही हासिल कर लिया है। यह देश की बढ़ती तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज शासन, स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। भारत एआई मिशन के माध्यम से भविष्य की डिजिटल तकनीकों में नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं रहा बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। स्टार्टअप्स, पेटेंट और वैज्ञानिक शोध में लगातार वृद्धि देश की नई पहचान को मजबूत कर रही है।

अंकुश नारंग ने साकेत इमारत हादसा को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सैदुलाजाब (साकेत) क्षेत्र में एक पांच मंजिला इमारत गिरने के मामले को लेकर नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने इस हादसे को लेकर भाजपा शासित एमसीडी पर तीखा हमला बोला है।नारंग ने रविवार को मांग की कि इस मामले में सिर्फ असिस्टेंट इंजीनियर (एई) और जूनियर इंजीनियर (जेई) का निलंबन पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस अवैध निर्माण को शह देने वाले बड़े चेहरों और संरक्षकों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।नारंग ने हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए एमसीडी मेयर से तत्काल इस्तीफे की भी मांग की है।घटना पर गहरा दुख जताते हुए और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अंकुश नारंग ने कहा, "यह हादसा कोई अचानक हुई दुर्घटना नहीं है। यह सीधे तौर पर निगम प्रशासन की घोर लापरवाही और अवैध निर्माणों पर समय रहते कार्रवाई न करने का नतीजा है। दिल्लीवासियों की जान से इस तरह का खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर हर बड़े हादसे के बाद ही एमसीडी प्रशासन की नींद क्यों टूटती है? राजधानी में लगातार जर्जर इमारतों और अवैध निर्माण की शिकायतें आती हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के चलते उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है।विपक्ष के नेता ने बताया कि हादसे के बाद संबंधित असिस्टेंट इंजीनियर (एई) सुरेश सिंह चौहान और जूनियर इंजीनियर (जेई) अमन जैन को सस्पेंड करना केवल एक खानापूर्ति है। उन्होंने मांग की कि इस अवैध निर्माण को संरक्षण देने वाले सभी वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो।यदि इस मामले में कोई राजनीतिक सांठगांठ या संरक्षण सामने आता है, तो उन नेताओं पर भी मुकदमा दर्ज किया जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एमसीडी पूरी दिल्ली में अवैध निर्माणों के खिलाफ एक व्यापक जांच अभियान चलाए। नारंग ने कहा कि दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा सबसे ऊपर है और जब तक इस भ्रष्टाचार की जड़ तक पहुंचकर दोषियों को कड़ी सजा नहीं मिलती, तब तक आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को उठाती रहेगी।

भारत की शक्ति उसकी सभ्यतागत चेतना में निहित : विजेंद्र गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत की शक्ति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि और तकनीकी प्रगति में ही नहीं, बल्कि उसकी सभ्यतागत चेतना, सांस्कृतिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों में भी निहित है। इस विरासत का संरक्षण केवल अतीत को स्मरण करने का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता है। यह विचार विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में आयोजित पुस्तक 'प्रथम सिंधु कुंभ : आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व' के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए।इस कार्यक्रम का आयोजन सिंधु दर्शन समिति द्वारा किया गया, जिसमें प्रख्यात आध्यात्मिक संतों, विद्वानों, शिक्षाविदों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. इन्द्रेश कुमार तथा डॉ. दयालु महाराज (अध्यक्ष, हिमालय परिवार, दिल्ली प्रांत) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अवसर केवल एक पुस्तक के विमोचन तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मा से पुनः जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है।विजेंद्र गुप्ता ने सिंधु नदी के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिंधु केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत स्मृति और सांस्कृतिक पहचान की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि हिंद, हिंदू और हिंदुस्तान जैसे शब्दों की ऐतिहासिक जड़ें भी सिंधु से जुड़ी हुई हैं। उनके अनुसार सिंधु उस निरंतर सभ्यतागत यात्रा का प्रतीक है जिसने सहस्राब्दियों से भारत के स्वरूप और उसकी सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है।भारत की विविधता में निहित एकता पर बल देते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश में भाषाओं, परंपराओं और जीवन-शैलियों की उल्लेखनीय विविधता होने के बावजूद उसकी सांस्कृतिक आत्मा एक है। उन्होंने कहा कि यही सभ्यतागत एकता भारत की स्थायी शक्ति रही है और सिंधु उसी सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीक है जो देशवासियों को क्षेत्रों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे जोड़ती है।विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि तीव्र तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तन के इस दौर में युवा पीढ़ी अनेक बार अपनी सांस्कृतिक जड़ों और ऐतिहासिक परंपराओं से दूर होती दिखाई देती है। ऐसे समय में भारत की सभ्यतागत विरासत का दस्तावेजीकरण करने वाली पुस्तकें और सांस्कृतिक पहले ऐतिहासिक स्मृति के संरक्षण, सांस्कृतिक जागरूकता को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्र को आकार देने वाले मूल्यों और परंपराओं की गहरी समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।प्रथम सिंधु कुंभ का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने इसे समकालीन समाज को आध्यात्मिक चिंतन, सांस्कृतिक संवाद और सामाजिक समरसता की परंपराओं से पुनः जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहा है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामूहिक ज्ञान-विमर्श का भी सशक्त मंच रहा है।विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह पुस्तक देश की समृद्ध सभ्यतागत धरोहर के प्रति नई पीढ़ी और समाज में व्यापक रुचि तथा संवाद को प्रेरित करेगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सीबीएसई उत्तर पुस्तिकाओं के बड़े डेटा लीक का आरोप लगाया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सीबीएसई कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के चेकिंग विवाद पर फिर से केंद्र सरकार के रवैये पर सवाल उठाए हैं।जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि यह बेहद बड़े पैमाने का डेटा लीक है, जिसने 20 लाख छात्रों की निजता को गंभीर खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि कोएम्प्ट कंपनी की अक्षमता और असंवेदनशीलता को एक बार फिर उजागर किया। कोएम्प्ट उसी कंपनी है, जिसे सीबीएसई ने आरएफपी की तकनीकी शर्तों में फेरबदल करने के बाद अनुबंध दिया था। इस फेरबदल से संभवतः कोएम्प्ट कंपनी को फायदा पहुंचा। रमेश ने उत्तर पुस्तिकाओं में दिख रहे कागज के मुड़ने के निशानों और परछाईं जैसे चिह्नों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये निशान आमतौर पर मोबाइल फोन से किए गए स्कैन में दिखते हैं, न कि स्कैनिंग मशीनों से। तीसरे आरएफपी में रोबोटिक स्कैनर की अनिवार्य शर्त को हटा दिया गया था, ऐसे में कोएम्प्ट कंपनी ने आखिर किस प्रकार के स्कैनर्स का उपयोग किया। जयराम रमेश ने इस पूरे मामले को शिक्षा व्यवस्था और छात्रों की सुरक्षा के प्रति लापरवाही बताते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की संवेदनशील जानकारी का इस तरह लीक होना बेहद गंभीर है और इसमें शामिल कंपनियों तथा अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम ऑन संडे' अभियान के अंतर्गत आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने चाणक्यपुरी स्थित डिप्लोमैटिक एन्क्लेव ओनर्स एंड रेजिडेंट्स एसोसिएशन (डीईओआरए), मलचा मार्ग में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।इस अवसर पर स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, एनडीएमसी के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में डीईओआरए के पदाधिकारी अशोक बहल, आदित्य टंडन, अंशु देवान एवं अवधेश सहित अनेक नागरिकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह अभियान मां के प्रति सम्मान और प्रकृति संरक्षण को एक साथ जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है।पौधारोपण से पूर्व कुलजीत सिंह चहल ने क्षेत्र के निवासियों एवं आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी जनहित के कार्यों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का एक जनआंदोलन है। एक पौधा लगाकर हम अपनी माँ को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की नींव भी रखते हैं। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी द्वारा पूरे वर्ष हर रविवार को विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लगाए गए पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण के लिए बागवानी, स्वास्थ्य, सिविल, सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी एवं विद्युत विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। चहल ने यह भी जानकारी दी कि आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनडीएमसी द्वारा विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और मजबूत बनाएं। इस अवसर पर कुलजीत सिंह चहल ने आरडब्ल्यूए को पक्षियों के लिए मिट्टी के पानी के बर्तन (परिंडे) भी भेंट किए। उन्होंने अपील की कि भीषण गर्मी के दौरान सभी नागरिक अपने घरों, पार्कों और आसपास के खुले स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था अवश्य करें।चहल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं की देखभाल भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखें और उन्हें नियमित रूप से भरते रहें, ताकि अधिक से अधिक पक्षियों को राहत मिल सके।उन्होंने कहा कि स्वच्छ, हरित और विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा ऐसे अभियान 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इमारत गिरने वाली जगह का किया दौरा, दिया कार्रवाई का आश्वास

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दक्षिण दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के पास इमारत गिरने वाली जगह का दौरा किया। इस हादसे में दो लोगों की मौत और आठ लोग घायल है, जिसमें तीन की हालत गंभीर है।उन्होंने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने कहा की डॉक्टर अभी भी यहां मौजूद हैं और बचाव अभियान बहुत सावधानी से चलाया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि इस तरह की सभी अनाधिकृत इमारतों और उनके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इमारत गिरने की घटना से वह बेहद चिंतित हैं। सरकार का ध्यान बचाव अभियान पर है।मुख्यमंत्री ने बताया कि एनडीआरएफ, दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, डीडीएमए, एमसीडी, सीएटीएस और नागरिक सुरक्षा की टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय में काम कर रही हैं। प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उल्लेखनीय है कि दक्षिण दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के समीप स्थित सैदुल्लाजाब इलाके में शनिवार शाम एक चार मंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर धूल का घना गुबार छा गया। इमारत का मलबा बगल में टीन शेड के नीचे संचालित एक कैंटीन और आसपास की संरचनाओं पर जा गिरा। उस समय कैंटीन में कुछ छात्र खाना खा रहे थे, जिससे उनके मलबे में दब गए।दमकल अधिकारियों के अनुसार शनिवार शाम 7:44 बजे इमारत ढहने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही सात दमकल वाहनों को मौके पर रवाना किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सैदुल्लाजाब की पांच नंबर लेन स्थित इस इमारत की चौथी मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था। जब राहत टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं तो पूरी इमारत कंक्रीट के मलबे, मुड़े हुए सरियों और टूटे खंभों के विशाल ढेर में तब्दील हो चुकी थी।

दिल्ली में सोमवार को जल नवाचार से जुड़े 'महा मिशन' और 'भारत-विन पोर्टल' का होगा शुभारंभ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत के जल अनुसंधान और नवाचार (इन्नोवेशन) इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सोमवार को दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में सरकार, उद्योग जगत और शिक्षा जगत के दिग्गज एक राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल होंगे। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार 'जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला' का उद्देश्य देश में जल नवाचार की अगली लहर को गति देना है।इस दौरान, मंत्रालय और इसरो के बीच होने वाले एक ऐतिहासिक समझौते के साथ इस कार्यशाला में 'महा मिशन' और 'भारत-विन पोर्टल' का शुभारंभ किया जाएगा, जो देश में जल नवाचार और स्टार्टअप्स को एक नई गति प्रदान करेगा। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का संयुक्त रूप से उद्घाटन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह और जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी करेंगे। इस अवसर पर अंतरिक्ष विभाग के सचिव एवं इसरो के अध्यक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव, जल संरक्षण और कृषि विभाग के सचिव तथा राष्ट्रीय जल मिशन के अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक डॉ. वी. नारायणन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और हितधारक मौजूद रहेंगे।इस मौके पर 'मिशन फॉर एडवांसमेंट इन हाई-इम्पैक्ट एरियाज फॉर वॉटर' का शुभारंभ होगा। यह जल शक्ति मंत्रालय और एएनआरएफ की एक संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य पेयजल, जलवायु परिवर्तन और जल उपयोग दक्षता जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है।इसके अलावा, जल क्षेत्र में नए उत्पादों और प्रोटोटाइप विकास को समर्थन देने के लिए मंत्रालय 'भारत-विन पोर्टल' के तहत स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए एक खुली आमंत्रण प्रक्रिया शुरू करेगा।इसी दौरान, 'कैच द रेन' नामक एक सहभागी डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया जाएगा। यह नागरिकों और स्थानीय निकायों को जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के प्रयासों को दर्ज करने तथा प्रदर्शित करने में सक्षम बनाएगा।जल संसाधन आकलन और निगरानी के लिए उपग्रह-आधारित उन्नत प्रौद्योगिकियों को मजबूत करने हेतु दोनों संस्थाएं एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगी, जिसके तहत 24 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की जा चुकी है।इस कार्यशाला में भूजल प्रबंधन, नदी की आकृति विज्ञान, बाढ़ के मैदानों का मानचित्रण, बांध सुरक्षा, शहरी जलभृत मानचित्रण और जल प्रशासन में रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।इसके साथ ही, पिछले 12 वर्षों में जल क्षेत्र में हुए अनुसंधान के प्रभावों का आकलन किया जाएगा और 16वें वित्त आयोग चक्र के लिए रणनीतिक प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा होगी। इस दौरान, एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। यह प्रदर्शनी अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई को सतत जल प्रबंधन के लिए विकसित किए गए अपने अत्याधुनिक समाधानों और नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करेगी।

विकासशील देशों के लिए अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) ने अपना 44वां स्थापना दिवस मनाया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विकासशील देशों के लिए अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) ने शनिवार को दिल्ली में अपना 44 वां स्थापना दिवस मनाया।इस अवसर पर "कृषि परिवर्तन हेतु भारत-अफ्रीका साझेदारी को सुदृढ़ बनाना" विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। यह सम्मेलन शनिवार को दक्षिण ग्लोबलः साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, आरआईएस और आईसीआरआईसैट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।इस मौके पर विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को रेखांकित करते हुए कहा, "भारत की विकास यात्रा केवल देश तक सीमित नहीं है बल्कि यह विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों सहित सम्पूर्ण विश्व की प्रगति से जुड़ी हुई है।" उन्होंने साक्ष्य-आधारित नीति सुझावों और वैश्विक मंचों पर विकासशील देशों की आवाज मजबूत करने में आरआईएस की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।नीति आयोग के पूर्व सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप अपने शोध का दायरा बढ़ाने के लिए आरआईएस की प्रशंसा की।वहीं, आरआईएस की शासी परिषद के सदस्य डॉ. शेषाद्रि चारी ने कहा कि समकालीन विकासात्मक चुनौतियों के समाधान और रणनीतिक नीति विमर्श को दिशा देने में संस्थान की प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है।विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव (पीपी एंड आर) अपर्णा राय ने कहा कि समावेशिता, समानता और दक्षिण-दक्षिण सहयोग जैसी अवधारणाओं को वैश्विक नीति विमर्श में स्थापित करने में आरआईएस का योगदान उल्लेखनीय रहा है।इससे पहले आरआईएस के महानिदेशक प्रोफेसर सचिन कुमार शर्मा ने 1983 में संस्थान की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा का ब्यौरा देते हुए कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और बहुपक्षीय संस्थाओं में बढ़ते विखंडन के इस दौर में आरआईएस की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। संस्थान वैश्विक दक्षिण की विकासात्मक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।सम्मेलन में सतत कृषि प्रणालियों, जलवायु-अनुकूल कृषि, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और कृषि-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसमें देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने अनुभवों का आदान-प्रदान किया, जिससे अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण में प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि विकास की नई राहें खुलीं।इस समारोह में देश-विदेश के प्रमुख नीति-निर्माताओं, राजनयिकों, विद्वानों और संस्थान के पूर्व सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और नीति अनुसंधान के क्षेत्र में आरआईएस के चार दशकों से अधिक के योगदान की सराहना की।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे, 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेता लाभान्वित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के 6 साल पूरे होने पर कहा कि इस योजना के तहत पिछले छह वर्षों में देशभर के 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को लाभ मिला है। योजना ने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।योजना के 6 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को अगर्तला में आयोजित कार्यक्रम में मनोहर लाल ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा की उपस्थिति में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान त्रिपुरा के रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को ऋण स्वीकृति पत्र और क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए गए।मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2020 में शहरी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनकी आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम स्वनिधि योजना शुरू की थी। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराना नहीं बल्कि रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी है।उन्होंने कहा कि योजना के तहत अब तक 1.12 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 17,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लाभार्थियों को वितरित की गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2.59 लाख से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं, जिनके माध्यम से 430 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है।उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में अब तक 9,300 से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं और लगभग 15 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों को वितरित की गई है।आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, योजना का प्रभाव व्यापक रहा है। इसके तहत 34.81 लाख महिला रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को सशक्त बनाया गया है तथा महिलाओं को 51.84 लाख ऋण वितरित किए गए हैं। इसके अलावा, 55 लाख से अधिक विक्रेताओं को डिजिटल प्रणाली से जोड़ा गया है।मंत्रालय ने बताया कि योजना के लाभार्थियों की औसत आय में प्रतिवर्ष लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, 30 प्रतिशत से अधिक लाभार्थियों ने योजना के तहत मिले ऋण से आगे बढ़कर अन्य स्रोतों से भी ऋण प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि जून 2020 में शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना के तहत अब तक 1.05 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। साथ ही 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल के अंतर्गत 50 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेता परिवारों की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग की गई है तथा विभिन्न केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं के तहत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेयरमैन आवास पर भाजपाईयो ने सुनी प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात, लाइव प्रसारण भी देखा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने चेयरमैन आवास/कैंप कार्यालय बूथ संख्या 62 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम की अगुवाई अमरोहा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने की। इस दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुपम त्यागी एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।प्रधानमंत्री मोदी ने सुबह 11 बजे प्रसारित इस एपिसोड में देश की नई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने झारखंड के रांची में हाल ही में हुई नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटे। पीएम ने गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीना और कुलदीप कुमार के प्रदर्शन की सराहना की। खासतौर पर 100 मीटर रेस में दो दिन में तीन बार नेशनल रिकॉर्ड टूटने पर उन्होंने गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर से बातचीत का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी और लू को देखते हुए नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा, "तेज धूप, गर्म हवाएं, ऐसे मौसम में अपना ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पानी पीते रहिए। धूप में अगर निकलना ही पड़े तो संभल कर निकलें"। साथ ही खगोल विज्ञान में बढ़ती रुचि पर खुशी जताते हुए युवाओं को एस्ट्रोनॉमी से जुड़ने की सलाह दी। इस मौके पर बीजेपी जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि 'मन की बात' समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम है। पीएम के विचारों को बूथ स्तर तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। वही नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा खेल और विज्ञान पर दिया गया जोर युवाओं को प्रेरित करेगा। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के बाद जलपान की व्यवस्था भी की गई। इस मौके पर सभासद नितिन सैनी, सभासद राजपाल सैनी, मुकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, विक्रम शर्मा, अरुण त्यागी, संजय सहदेव, चंदन प्रजापति, पूरण सैनी, एडवोकेट जयप्रकाश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, संजीव सैनी, रवि सैनी, राकेश सैनी, धर्मवीर सैनी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हसनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः दो वारंटी भाई गिरफ्तार, न्यायालय में पेशी से पहले दबोचे गए

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा , हसनपुरः पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत हसनपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी लंबे समय से न्यायालय से जारी वारंट के बावजूद फरार चल रहे थे। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्तों की पहचान करन सिंह पुत्र बीरू और चंदर पुत्र बीरू, निवासी ग्राम गंगाचौली, थाना हसनपुर, जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ वाद संख्या 52/05, अपराध संख्या 1331/04 के तहत धारा 147, 323, 324, 504 भादवि का मुकदमा दर्ज है। इनकी अगली पेशी 16 जून 2026 को न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन/जेएम हसनपुर में नियत थी। पेशी से पहले ही पुलिस ने दोनों को उनके गांव से दबोच लिया,थाना प्रभारी राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि श्रीमान पुलिस अधीक्षक द्वारा वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक सुभाष बालियान के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम में कांस्टेबल आकाश और कांस्टेबल दीपेश को शामिल किया गया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों भाइयों को गांव गंगाचौली से ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों को थाने लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। सीओ हसनपुर पंकज कुमार त्यागी ने कहा कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून का भय और अपराधियों में हड़कंप है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र देंगे मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान , लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शोषित-वंचित समुदाय तथा विस्थापितों को निरंतर भूमिधरी अधिकार पत्र मिल रहा है। ऐसे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में सुरक्षा, सुविधा व सम्मान मिल रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री सोमवार को बड़े पैमाने पर पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को भी उनका अधिकार दिलाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बिजनौर के आलमपुर गांवड़ी, अफजलगढ़, धामपुर में विकास की बड़ी योजनाओं से स्थानीय लोगों को जोड़ेंगे। वह पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों तथा 50 पूर्व सैनिकों/लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र देंगे। मुख्यमंत्री यहां प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को आवंटन पत्र व चेक वितरित करेंगे। साथ ही कॉमन सर्विस सेंटर और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित विदुर प्रेरणा कैफे का उद्घाटन भी करेंगे।

संभल में विकास की नई इबारत लिख रहे हैं चौधरी मुशीर अली खान

संभल की सियासत में विकास का नया चेहरा बनकर उभरे चौधरी मुशीर अली खान

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। राजनीति में जनता का विश्वास वही नेता जीत पाता है, जिसकी सोच और कार्य दोनों जनता को दिखाई दें। संभल नगर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान हुए विकास कार्यों को लेकर लोगों के बीच जिस नाम की सबसे अधिक चर्चा सुनाई देती है, वह है चौधरी मुशीर अली खान। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के वरिष्ठ नेता के रूप में पहचान रखने वाले चौधरी मुशीर अली खान आज संभल की राजनीति में विकास और जनसरोकारों का एक महत्वपूर्ण चेहरा बनकर उभरे हैं। संभल विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों से जब लोग शहर पहुंचते हैं तो नगर की बदली हुई तस्वीर, बेहतर व्यवस्थाएं और विकास कार्य उन्हें आकर्षित करते हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जिस प्रकार शहर में विकास की नई मिसालें कायम हुई हैं, उसी प्रकार यदि पूरे विधानसभा क्षेत्र में योजनाबद्ध ढंग से कार्य किए जाएं तो गांवों

की तस्वीर भी पूरी तरह बदल सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर यह चर्चा सुनने को मिलती है कि संभल को ऐसा जनप्रतिनिधित्व मिलना चाहिए जो विकास को राजनीति से ऊपर रखकर जनता के हितों के लिए काम करे। लोगों का मानना है कि शहर में दिखाई दे रहे बदलाव इस बात का प्रमाण हैं कि मजबूत इच्छाशक्ति और स्पष्ट विजन के साथ क्षेत्र को नई दिशा दी जा सकती है। क्षेत्र के बुजुर्गों, युवाओं और व्यापारियों के बीच यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि आने वाले समय में संभल विधानसभा को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता होगी जो शहर और गांव दोनों को समान रूप से विकास की धारा से जोड़ सके। लोगों का कहना है कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सिंचाई और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में बड़े स्तर पर कार्य कर संभल को प्रदेश के अग्रणी विधानसभा क्षेत्रों में शामिल किया जा सकता है। राजनीतिक जानकारों का भी मानना है कि चौधरी मुशीर अली खान ने जनसंपर्क, सामाजिक सक्रियता और विकास के मुद्दों पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यही वजह है कि विधानसभा क्षेत्र में उनका नाम लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। जनता के बीच बढ़ता विश्वास इस ओर संकेत करता है कि संभल की राजनीति में विकास अब सबसे बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। संभल की जनता आज केवल वादे नहीं, बल्कि परिणाम देखना चाहती है। बदलते राजनीतिक परिदृश्य में क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाएं भी बदल रही हैं। ऐसे में चौधरी मुशीर अली खान का नाम उन नेताओं में शुमार किया जा रहा है, जिनसे लोग भविष्य में और बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। संभल की चौपालों से लेकर शहर की बैठकों तक एक ही चर्चा सुनाई देती है क्षेत्र का विकास ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होना चाहिए, और जनता उसी नेतृत्व के साथ खड़ी होगी जो उनके सपनों को हकीकत में बदलने का माद्दा रखता हो।

पौरुष अग्रवाल के आवास/बूथ-88 पर सुना गया 'मन की बात' का 134वां प्रसारण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को पौरुष अग्रवाल के आवास/बूथ-88 पर स्थानीय कार्यकर्ताओं व परिवारजनों ने एलईडी टीवी पर एक साथ सुना। मंडल उपाध्यक्ष पौरुष अग्रवाल के नेतृत्व में निशि अग्रवाल, गुंजन अग्रवाल, स्वाति, विदित अग्रवाल, अरिहंत अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल, अन्वय अग्रवाल सहित कई सम्मानित सदस्य इस दौरान मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद मंडल उपाध्यक्ष पौरुष अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का हर संबोधन देश को नई दिशा देता है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को लेकर पीएम मोदी ने जो आह्वान किया, वह हम सबके लिए प्रेरणा है। हम अपने बूथ क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देंगे। पौरुष अग्रवाल ने 'Vocal for Local' का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने छोटे कस्बों के स्टार्टअप्स और स्थानीय उत्पादों की सफलता बताकर आत्मनिर्भर भारत का हौसला बढ़ाया है। युवाओं के नवाचार और खेल में उपलब्धियों की सराहना से हमारे क्षेत्र के युवाओं को भी वैश्विक मंच पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले जल संचयन और स्वच्छता को आदत बनाने का संदेश बेहद जरूरी है। हम सभी कार्यकर्ता इसे घर-घर तक पहुंचाएंगे। अंत में पौरुष अग्रवाल ने प्रधानमंत्री जी का आभार जताते हुए कहा कि 'मन की बात' हमें राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर ऊर्जावान बनाए रखती है।

बरेली शरीफः हजरत अन्नी शाहा मियां के सालाना उर्स में कुल शरीफ, पुलिस प्रशासन का हुआ सम्मान

लोक तंत्र की शान

बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्राः बरेली शरीफ के बिहारीपुर स्थित हजरत अन्नी शाहा मियां रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स का समापन कुल शरीफ की रस्म के साथ अकीदत और शांति के माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दरगाह परिसर में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की और मुल्क में अमन-ओ-अमान, भाईचारे तथा तरक्की के लिए विशेष दुआएं की गईं। उर्स के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन के सराहनीय योगदान को देखते हुए दरगाह कमेटी की ओर से बिहारीपुर चौकी इंचार्ज रोहित कुमार एवं उनकी पुलिस टीम का फूल-मालाओं से स्वागत कर सम्मान किया गया। दरगाह कमेटी के पदाधिकारियों ने पुलिस की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रशासन के सहयोग

से उर्स का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दरगाह प्रबंधक आसिफ साबरी ने बताया कि हजरत अन्नी शाहा मियां का उर्स केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि कौमी एकता, भाईचारे और इंसानियत का संदेश देने वाला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी देश की खुशहाली, सामाजिक सौहार्द और शांति के लिए विशेष दुआएं की गईं। चौकी इंचार्ज रोहित कुमार ने सम्मान के लिए दरगाह कमेटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय एवं विश्वास से ही समाज में शांति और कानून व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा और अधिक मजबूत होता है। उर्स के दौरान दरगाह पर चादरपोशी, फातिहा और कुल शरीफ की रस्में अदा की गईं। बड़ी संख्या में पहुंचे जायरीनों ने दरगाह पर हाजिरी देकर अपनी-अपनी मुरादों के लिए दुआ मांगी। कार्यक्रम के समापन तक पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी गई। सालाना उर्स का यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव और पुलिस-जन सहयोग की मिसाल बनकर संपन्न हुआ।

गजरौला में भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक संपन्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/गजरौलाः भारतीय किसान संघ, जनपद अमरोहा की विकास खंड गजरौला इकाई की मासिक बैठक रविवार को ब्लॉक अध्यक्ष देवेश कुमार शर्मा के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने संगठन विस्तार और किसान हितों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए,बैठक में जिला प्रभारी एवं प्रांत युवा प्रमुख संजीव कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। ब्लॉक प्रभारी व जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह चौहान भी विशेष रूप से मौजूद रहे। जिला प्रभारी संजीव कुमार शर्मा का प्रवास ब्लॉक मंत्री विपिन कुमार शर्मा के आवास पर रहा,जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने बताया कि बैठक का आयोजन तीन सत्रों में किया गया। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी संजीव कुमार शर्मा ने संगठन के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक ब्लॉक और ग्राम स्तर पर मजबूत टीम नहीं होगी, तब तक किसानों की आवाज

शासन तक मजबूती से नहीं पहुंचेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क कर नए सदस्यों को जोड़ने के गुर भी समझाए। द्वितीय सत्र में जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं को पूरे विकास खंड में शत-प्रतिशत सदस्यता का संकल्प दिलाया। उन्होंने ब्लॉक अध्यक्ष देवेश कुमार शर्मा को निर्देश दिए कि प्रत्येक गांव के लिए एक जिम्मेदार कार्यकर्ता की नियुक्ति कर सूची शीघ्र जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं। चंद्र प्रकाश शर्मा ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि गजरौला ब्लॉक का कोई भी गांव संगठन से अछूता न रहे। हर किसान की समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता है।" तृतीय सत्र में जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह चौहान ने सुझाव दिया कि ब्लॉक कार्यकारिणी के साथ-साथ जिला कार्यकारिणी के प्रत्येक सदस्य को भी 4 से 5 गांवों की जिम्मेदारी दी जाए, ताकि जमीनी स्तर पर कार्य तेज हो सके। बैठक में जिला जैविक प्रमुख हरि प्रकाश राणा, जिला मंत्री विपिन कुमार शर्मा, युवा जिला उपाध्यक्ष निगम बजरंगी, जितेंद्र कुमार शर्मा, राहुल शर्मा, के.के. शर्मा, नरेश शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री कल्लू सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को ब्लॉक से लेकर गांव स्तर तक मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

पूर्णिमा स्नान को लेकर SSP अनुराग आर्य सख्त आधी रात गूगल मीट से अफसरों को दिए कड़े निर्देश

» श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस, घाटों से लेकर शहर तक पुलिस रहेगी हाई अलर्ट पर

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) : बरेली में आगामी पूर्णिमा स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था, जनसुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से अनुराग आर्य ने शनिवार देर रात 12:30 बजे गूगल मीट के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जनपद के सभी अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी तथा थाना प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एसएसपी ने पूर्णिमा स्नान के अवसर पर विभिन्न घाटों, नदी तटों, नहरों और जलाशयों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित समय से पहले अपने ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचकर जिम्मेदारी का निर्वहन करें तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना को समाप्त करने के लिए लगातार सतर्क निगरानी बनाए रखें। एसएसपी

अनुराग आर्य ने स्पष्ट कहा कि स्नान स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए और श्रद्धालुओं के आवागमन को सुव्यवस्थित रखा जाए। गहरे पानी वाले क्षेत्रों में लोगों को जाने से रोकने, चिन्हित स्थानों पर बैरिकेडिंग कराने तथा नाव संचालन पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में डूबने जैसी घटना नहीं होनी चाहिए और इसके लिए स्थानीय प्रशासन एवं राहत टीमों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। संवेदनशील घाटों पर लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार जन-जागरूकता संदेश प्रसारित करने तथा पुलिस और पीआरवी वाहनों की नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर भी कड़े निर्देश जारी किए गए। एसएसपी ने कहा कि आमजन के साथ संवेदनशील और सकारात्मक व्यवहार रखा जाए तथा पेशेवर अपराधियों, सक्रिय बदमाशों और असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाए। यक्ष ऐप और अन्य तकनीकी संसाधनों के माध्यम से अपराधियों की प्रभावी मॉनिटरिंग करने तथा दोबारा आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर उनके विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

पाकबड़ा में फाइन लिकर्स शॉप का शुभारंभ विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश मुरादाबाद के जनपद के पाकबड़ा क्षेत्र में नवस्थापित फाइन लिकर्स शॉप का भव्य शुभारंभ स्थानीय विधायक रामवीर सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना से हुई। फाइन लिकर्स शॉप के स्वामी धर्म सिंह तोमर, शशांत तोमर ने अपने माता-पिता एवं परिवार के सदस्यों के साथ पूजा कर प्रतिष्ठान की उन्नति एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इसके बाद विधायक ने फीता काटकर दुकान का औपचारिक उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने प्रतिष्ठान का अवलोकन किया तथा अपनी पसंद के विभिन्न ब्रांडों की खरीदारी भी की। इस दौरान अतिथियों ने नए प्रतिष्ठान

के संचालन के लिए शुभकामनाएं देते हुए व्यवसाय की सफलता की कामना की। फाइन लिकर्स शॉप के स्वामी शशांत तोमर ने सभी आगंतुकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे और सभी ने नए प्रतिष्ठान के लिए शुभकामनाएं दीं।

अहिल्याबाई होलकर जी का जीवन महिलाओं के सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण : राजेंद्र खड़गबंशी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहाः रविवार को समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय, अमरोहा में लोकमाता, न्याय और सुशासन की प्रतीक राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने राजमाता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर जी का जीवन महिलाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और जनकल्याण का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी समाजवादी विचारधारा को मजबूती देते हैं। राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने विशेष रूप से युवाओं

से अहिल्याबाई होलकर के कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "महारानी ने अपना पूरा जीवन गरीबों, किसानों और महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। मंदिरों, घाटों और धर्मशालाओं का निर्माण कराकर उन्होंने भारतीय संस्कृति को संजोने का काम किया। समाजवादी पार्टी उनके बताए रास्ते पर चलकर अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।" इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष मस्तराम यादव ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने मालवा में जो सुशासन स्थापित किया, वह आज के शासकों के लिए मिसाल है। उन्होंने बिना भेदभाव के न्याय किया और जनता को अपना परिवार माना। कार्यक्रम में नौगांवा सादात के विधायक चौधरी समरपाल सिंह ने राजमाता को नारी शक्ति का प्रतीक बताया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक चौधरी ने कहा कि अहिल्याबाई ने महिला नेतृत्व की जो नींव रखी, उसी का परिणाम है कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। श्रद्धांजलि सभा में चौधरी भूपेंद्र सिंह, चंद्रपाल सिंह सैनी, राधे लाल रघुवंशी, जितेंद्र सिंह यादव, जितंबर सिंह यादव, राजकुमार प्रधान सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने राजमाता के चित्र पर पुष्प चढ़ाए और उनके सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया,कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव ने किया। अंत में राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करती रहेगी। सभा का समापन "राजमाता अहिल्याबाई अमर रहें" के नारों के साथ हुआ।

हसनपुर के ग्राम ढकका में शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ, क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

लोक तंत्र की शान

हसनपुर/ढककाः विधानसभा क्षेत्र हसनपुर-42 के ग्राम ढकका में रविवार को शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने हॉस्पिटल के डायरेक्टर शान चौधरी को बधाई देते हुए क्षेत्र में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू करने के लिए आभार जताया।

ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा, "ढकका जैसे ग्रामीण इलाके में इतना बड़ा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल खुलना हमारे लिए गर्व की बात है। अब तक गंभीर बीमारी में मरीजों को मुरादाबाद या दिल्ली ले जाना पड़ता था। इससे समय और पैसा दोनों बर्बाद होते

थे। शान हॉस्पिटल से अब 24 घंटे इमरजेंसी, सर्जरी, डिलीवरी और जांच की सुविधा यहीं मिलेगी। मैं डायरेक्टर शान चौधरी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए इतना बड़ा योगदान दिया।" हॉस्पिटल के डायरेक्टर शान चौधरी ने कहा, "मेरा सपना था कि अपने क्षेत्र के लोगों को बड़े शहरों जैसी मेडिकल सुविधा उनके घर के पास मिले। यहां अनुभवी डॉक्टरों की टीम, मॉडर्न ICU, डायलिसिस, डिजिटल X-Ray और पैथोलॉजी लैब की सुविधा है। हमारा मकसद मुनाफा नहीं, सेवा है। गरीब मरीजों के लिए विशेष रियायती दरें रखी गई हैं। रिसर्च सेंटर के जरिए हम स्थानीय बीमारियों पर भी काम करेंगे ताकि इलाज और बेहतर हो सके। क्षेत्रवासियों का भरोसा ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।" शुभारंभ पर पहुंचे ग्रामीणों में खासा उत्साह दिखा। एडवोकेट विशाल चौधरी ने कहा कि "पहले रात में इमरजेंसी होने पर 40 किमी दूर जाना पड़ता था। अब जान बचाने के लिए गोल्डन आवर यहीं मिल जाएगा।" नदीम चौधरी गंगवार ने बताया कि "महिलाओं की डिलीवरी और बच्चों के इलाज के लिए यह हॉस्पिटल वरदान साबित होगा।" फरमान चौधरी, अकरम खान, काशिफ, चमन हैदर, लड्डन चौधरी, आरिफ चौधरी, मुजाहिद, सलमान चौधरी व खातिब चौधरी ने भी हॉस्पिटल खुलने पर खुशी जताई। कार्यक्रम में समस्त हॉस्पिटल स्टाफ और बड़ी संख्या में सम्मानित क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी ने डायरेक्टर शान चौधरी को इस नेक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली पुलिस ने लौटाए 210 चोरी-गुम मोबाइल, 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत 60 लाख रुपये के फोन मिले

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत वैशाली पुलिस ने रविवार को 210 चोरी या गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटा दिए। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने एक कार्यक्रम आयोजित कर मोबाइल धारकों को उनके फोन वापस सौंपे। मोबाइल पाकर लोगों ने वैशाली पुलिस का आभार व्यक्त किया। एसपी सिहाग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। यह बरामदगी जिला आसूचना इकाई के साथ गठित टेक टीम द्वारा सीईआईआर (CEIR) पोर्टल के माध्यम से लगातार की जा रही है। यह टीम गुम या चोरी हुए मोबाइलों का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान की शुरुआत से अब तक वैशाली पुलिस कुल 1904 मोबाइल फोन बरामद कर चुकी है, जिससे कई लोगों के चेहरे पर खुशी लौटी है। एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि मोबाइल चोरी या गुम होने पर नजदीकी थाने में सनहा (शिकायत) दर्ज कराना चाहिए। इसके बाद जिला आसूचना इकाई और सभी थानों की एक टीम पोर्टल के जरिए लगातार मोबाइलों को बरामद करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसी स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराएं, जिसके लिए एक अलग टेक टीम बनाई गई है। एसपी सिहाग ने बताया कि इस वर्ष (2026) में अब तक कुल 941 मोबाइल फोन वास्तविक धारकों को लौटाए जा चुके हैं। इसमें 25 जनवरी को 200, 25 फरवरी को 164, 30 मार्च को 165, 29 अप्रैल को 202 और 31 मई 2026 को 210 मोबाइल शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने अधिक मोबाइल बरामदगी करने वाले थानों को पुरस्कृत भी किया। बिदुपुर थाना की पुलिस अवर निरीक्षक रचना तिवारी ने 39 मोबाइल, जंदाहा थाना की पुलिस अवर निरीक्षक शालिनी कुमारी ने 22 मोबाइल और रुस्तमपुर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अंकित कुमार ने 21 मोबाइल रिकवर कराए हैं।

प्रमुख के गाड़ी चालक को युवकों ने घसीटकर पीटा, बाइक सही से चलाने का बोलने पर विवाद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली प्रखंड प्रमुख निर्मला देवी की गाड़ी पर बदमाशों ने हमला कर दिया। इस दौरान उनकी गाड़ी का शीशा तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया और उनके स्टाफ के साथ मारपीट भी की गई। बदमाशों ने प्रमुख के परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी है। यह घटना 28 मई को हुई थी। प्रमुख के घर पर काम करने वाला स्टाफ लक्ष्मण कुमार वैशाली के मदारना बाजार में राशन का सामान लेने गया था। वहां बाइक सवार दो युवकों, अंकित कुमार और आकाश कुमार (दोनों बेलसर थाना क्षेत्र के निवासी), ने उसकी स्कॉर्पियो गाड़ी में टक्कर मार दी। जब लक्ष्मण कुमार ने उन्हें बाइक सही ढंग से चलाने को कहा, तो दोनों भाइयों अंकित और आकाश ने मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट के बाद दोनों युवक प्रमुख के आवास पर पहुंच गए और वहां उन्होंने प्रमुख के गाड़ी चालक को घसीटकर पीटा। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले को लेकर प्रमुख प्रतिनिधि मनीष तिवारी ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सदर एसडीपीओ 02 गोपाल मंडल ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और जांच पड़ताल में जुट गई है।

सांसद के सामने भिड़े जदयू विधायक जिलाध्यक्ष

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी स्थित कपरपुरा रेलवे गुमटी संख्या-107 को महीनों बाद फिर से खोल दिया गया, लेकिन इसका श्रेय लेने को लेकर राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला, जिसकी चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। गुमटी खुलने के कार्यक्रम के दौरान वैशाली सांसद वीणा देवी की मौजूदगी में कांटी के जदयू विधायक अजीत कुमार और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही के बीच तीखी बहस हो गई। दोनों नेताओं के बीच हुई नोकझोंक का वीडियो भी सामने आया है। दरअसरल मामला शनिवार दोपहर का है। कपरपुरा रेलवे गुमटी को औपचारिक रूप से खोले जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लंबे समय से बंद इस रेलवे गुमटी के खुलने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल था। इसका श्रेय लेने के लिए दो नेता आपस में भिड़ गए। जिलाध्यक्ष ने सांसद वीणा देवी से कहा कि आप आगे आई। आप जनकप्रतिनिधि हैं। बाकि सब अल्लू झल्लू है। इस पर जदयू विधायक भी गुस्सा में आ गए। उन्होंने कहा कि मेरे कारण ही तुम आज यहां खड़े हो। इस पर चिराग की पार्टी के जिलाध्यक्ष ने कहा कि, चल ना तू अपना काम कर। जदयू विधायक और नाराज हो गए। इस पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि, तुम ज्यादा हल्ला करेगा। ये सब सांसद वीणा देवी की मौजूदगी में होता रहा। वहां मौजूद लोगों ने जदयू विधायक और चिराग की पार्टी की जिलाध्यक्ष को समझा-बुझाकर मामला शांत करवाया। लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही ने कहा कि कपरपुरा रेलवे गुमटी को खुलवाने के लिए लंबे समय से आंदोलन चल रहा था। उन्होंने दावा किया कि वैशाली सांसद वीणा देवी ने कई बार रेल मंत्री और रेलवे अधिकारियों से बातचीत की थी, जिसके बाद रेलवे ने गुमटी खोलने का निर्णय लिया। चुलबुल शाही के अनुसार, शनिवार को समस्तीपुर मंडल के अधिकारियों की ओर से गुमटी खोलने की स्वीकृति मिलने के बाद उद्घाटन का समय तय किया गया था। उनका आरोप है कि कार्यक्रम में विधायक अजीत कुमार ने सांसद की मौजूदगी पर सवाल उठाया और कहा कि उनके क्षेत्र में आने से पहले उन्हें सूचना दी जानी चाहिए थी। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। वहीं, कांटी विधायक अजीत कुमार ने कहा कि, कपरपुरा रेलवे गुमटी को खुलवाने के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए थे और विधानसभा से लेकर रेलवे के विभिन्न स्तरों तक इस मुद्दे को उठाया था। कार्यक्रम में उन्होंने केवल इतना कहा था कि क्षेत्र से जुड़े किसी कार्यक्रम में आने से पहले जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय होना चाहिए। इसी दौरान कुछ लोग अनावश्यक रूप से उनसे उलझ गए, जिसके कारण विवाद की स्थिति बनी।

राष्ट्रपति, पीएम और अमित शाह चखेंगे शाही लीची का स्वाद, एक महीने तक रहेगी ताजी

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। दुनिया भर में अपनी खास मिठास और सुगंध के लिए मशहूर मुजफ्फरपुर की शाही लीची एक बार फिर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे गणमान्य लोगों तक पहुंचने जा रही है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और अन्य विशिष्ट अतिथियों को उपहार स्वरूप भेजी जाने वाली शाही लीची की तैयारी पूरी कर ली गई है। शनिवार को विशेष रेफ्रिजरेटेड वैन के जरिए करीब 2000 पैकेट शाही लीची दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रवाना किए जाएंगे। जिला प्रशासन की देखरेख में वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए इस बार भी मुजफ्फरपुर की जीआई टैग प्राप्त शाही लीची देश के गणमान्य लोगों तक पहुंचेगी। इसके लिए लीची की तुड़ाई, चयन, प्रोसेसिंग और पैकिंग का काम कई दिनों से चल रहा था, जिसे अब अंतिम रूप दे दिया गया है। मुजफ्फरपुर की पहचान बन चुकी शाही लीची को हर वर्ष देश के प्रमुख संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को भेजा जाता है। जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य न केवल इस विशेष फल का प्रचार-प्रसार करना है, बल्कि मुजफ्फरपुर की कृषि विरासत और वैश्विक पहचान को भी मजबूत करना है। इस वर्ष दो-दो किलो के करीब 2000 विशेष पैकेट तैयार किए गए हैं। शाही लीची को सीधे बागानों से चुनने के बाद उसकी गुणवत्ता और आकार के आधार पर चयन किया जाता है। इसके बाद लीची की सफाई, धुलाई और विशेष तापमान पर प्री-कूलिंग की प्रक्रिया पूरी की जाती है। फिर अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज में सुरक्षित रखने के बाद विशेष पैकेजिंग की जाती है ताकि लीची की ताजगी और स्वाद बरकरार रहे। पूरी प्रक्रिया नियंत्रित तापमान वाले कूलिंग रूम में की जाती है। इसके बाद पैकेटों को उपहार स्वरूप आकर्षक तरीके से तैयार कर रेफ्रिजरेटेड वैन में लोड किया जाता है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य लोगों तक शाही लीची पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया जिला प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानी जाती है।

उत्पात टीम से झड़प करने वाले 4 तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान , पटना

रेल पुलिस ने महिला सहित चार अंतरजिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में जहाना खातून उर्फ खुशबू, अंकित कुमार, वीरेंद्र कुमार उर्फ लालू और रंजन शर्मा है। पुलिस ने इनके पास से 6 मोबाइल फोन, दो बाइक और 3.27 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की है। रेल डीएसपी कंचन राज ने बताया कि यह घटना 27 मई को हुई थी। ट्रेन संख्या 12336 भागलपुर एलटीटी दिलदारनगर से दानापुर की ओर जा रही थी। बक्सर से खुलने के बाद उत्पात टीम ट्रेन में शराब तस्करी के खिलाफ जांच कर रही थी।

जांच के दौरान टीम ने एक महिला को पकड़ा, जिसके बाद उसके अन्य साथियों के साथ उत्पात टीम की हाथापाई और झड़प हो गई। इसी बीच, तस्करों ने कुशलपुर हाल्ट के पास ट्रेन की चेन पुलिंग कर मौके से फरार हो गए थे। मामला बक्सर का है। दानापुर में रविवार को रेल पुलिस ने पीसी कर जानकारी दी है।

14 अज्ञात पर एफआईआर हुई थी: घटना को लेकर बक्सर रेल थाना में खुशबू उर्फ जहाना खातून सहित 14 अज्ञात लोगों के खिलाफ कांड संख्या 116/26 दर्ज किया गया था। रेल पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। गठित एसआईटी टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर, नामजद महिला तस्कर को पहले गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर तीन अन्य पुरुष तस्करों को भी पकड़ा गया।

फरार चल रहे अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। सभी गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

❑ ट्रेन में हाथापाई के बाद फरार हो गए थे सभी, अन्य की गिरफ्तारी के लिए चल रही छापेमारी

प्री-मानसून में ही जलजमाव से बेहाल शहर करोड़ों खर्च के बावजूद नहीं सुधरी व्यवस्था

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: प्री-मानसून की पहली ही बारिश ने सहरसा नगर निगम की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। शहर के कई प्रमुख इलाकों और सड़कों पर जलजमाव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। करोड़ों रुपये खर्च कर नाला निर्माण, सफाई और जल निकासी की योजनाएं संचालित किए जाने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाला निर्माण और सफाई कार्यों को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर ठेके दिए गए, लेकिन कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप हल्की बारिश में ही कई वार्डों की सड़कें पानी से भर गईं और आवागमन बाधित हो गया। शहर के कई इलाकों में सड़कें तालाब जैसी नजर आने लगीं। दोपहिया वाहन चालकों, रिक्शा चालकों और पैदल चलने वाले लोगों को जलजमाव के बीच आवागमन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। कई स्थानों पर घरों और दुकानों के आसपास भी पानी जमा हो गया, जिससे लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। नगर निगम द्वारा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। डिवाटरिंग पंप, नाला निर्माण और सफाई कार्यों पर भारी राशि व्यय होने के बावजूद बारिश के पानी की निकासी सुचारु रूप से नहीं हो पा रही है। इससे नगर निगम की कार्यप्रणाली और योजनाओं की प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। वहीं नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और जिन क्षेत्रों में अधिक जलजमाव की समस्या है, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। बारिश का मौसम अभी शुरू ही हुआ है। ऐसे में यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में शहरवासियों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। नागरिकों की अपेक्षा है कि प्रशासन तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर जलजमाव की समस्या से राहत दिलाने का काम करे।

सहरसा नगर निगम में करोड़ों के भुगतान पर उठे सवाल, जांच के घेरे में कई एजेंसियां

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा नगर निगम में विभिन्न विकास योजनाओं के तहत किए गए करोड़ों रुपये के भुगतान को लेकर नया विवाद सामने आया है। नगर निगम द्वारा विभिन्न एजेंसियों और कंपनियों को किए गए भुगतानों में अनियमितता के आरोप लगने के बाद मामले की जांच तेज हो गई है। जांच के दायरे में कई ऐसी कंपनियां और एजेंसियां भी शामिल हैं, जिन्हें पूर्व में नगर निगम की विभिन्न योजनाओं का कार्य आवंटित किया गया था। सूत्रों के अनुसार, नगर निगम द्वारा टेंडरों को छोटे-छोटे हिस्सों में विभाजित कर कार्य आवंटित किए जाने और बाद में करोड़ों रुपये के भुगतान किए जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में कार्यों की गुणवत्ता, निविदा प्रक्रिया और भुगतान के दस्तावेजों की पर्याप्त जांच नहीं की गई। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियां संबंधित फाइलों, भुगतान अभिलेखों और कार्य आवंटन से जुड़े दस्तावेजों की समीक्षा कर रही हैं। नगर निगम के पूर्व अधिकारियों, अभियंताओं तथा संबंधित एजेंसियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। मामले में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और फाइलें जांच टीम के कब्जे में हैं। जानकारों का मानना है कि यदि जांच में अनियमितताओं की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं नगर निगम प्रशासन का कहना है कि सभी कार्य नियमानुसार किए गए हैं और जांच में पूरा सहयोग दिया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जनता के पैसे से संचालित विकास योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होना आवश्यक है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन करोड़ों रुपये के भुगतान को लेकर उठे सवालों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

ट्रेन में मिली लाश अकड़ चुकी थी, कोच अटेंडेंट ने कहा- प्रयागराज के बाद कोच खाली हो गया था

लोकतंत्र की शान , पटना

पुणे-दानापुर स्पेशल (01449) शनिवार को लाश मिली थी। ट्रेन पुणे से चलकर दानापुर रेलवे स्टेशन पर दिन के 11 बजे पहुंची थी। प्लेटफार्म नंबर-2 पर खड़ी थी। डेढ़ घंटे तक किसी को पता नहीं चला कि बंद कोच में लाश है। दोपहर साढ़े 12 बजे सफाईकर्मी महिला कोच के पास पहुंचे तो वो अंदर से बंद था। इसके बाद आरपीएफ की टीम पहुंची। इमरजेंसी विंडो से देखा तो युवक की लाश बेल्ट से लटकी है। FSL की टीम बुलाई गई। टीम ने RPF-GRP को बताया कि कुछ घंटे पहले मौत हुई है। बॉडी पूरी तरह से अकड़ गई है। वहीं, रेल पुलिस के अनुसार कोच अटेंडेंट आकाश-नीतीश ने जानकारी दी थी कि प्रयागराज के बाद कोच पूरी तरह से खाली हो गया था।

दानापुर में नहीं हुई घटना: GRP मानकर चल रही है कि दानापुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी गाड़ी में घटना नहीं हुई है। ऐसा इसलिए क्यों कि स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में कोई संदिग्ध कोच के अंदर जाता नहीं दिख रहा है। जिस युवक की बॉडी मिली है, वो भी कोच में जाता नहीं दिखा है। दानापुर GRP ने प्रयागराज RPF और GRP से संपर्क कर पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है। शव की पहचान के लिए भी बातचीत हुई है।

लेट से पहुंची थी गाड़ी: यह ट्रेन पुणे से चलकर दानापुर पहुंचती है। ट्रेन को शुक्रवार रात 2:45 में पहुंचना था, पर ट्रेन देरी से शनिवार सुबह करीब 11:15 बजे स्टेशन पहुंची। घटना के कारण ट्रेन का रेक भी देर से तैयार हो सका, जिससे दानापुर से वापसी में ट्रेन करीब सवा 2 बजे रवाना हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

युवक के पास सिर्फ रूमाल मिला था: युवक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। पहचान अभी नहीं हुई है। युवक के पास से कोई पहचान पत्र, मोबाइल या अन्य सामान बरामद नहीं हुआ। जेब से केवल एक रूमाल मिला है। पैर भी खाली थे। न चप्पल पहना था और न जूता। युवक ने मैरून रंग की टी-शर्ट और काले रंग की जींस पहन रखी थी। अभी तक युवक के शव की पहचान नहीं हो पाई है। बॉडी मोर्चरी में रखी गई है। इधर, दोनों कोच अटेंडेंट से पूछताछ की तैयारी है। क्योंकि इनलोगों ने ही कोच खाली होने की जानकारी रेलवे को दी थी।

इलाहाबाद के बाद कोच में कोई नहीं चढ़ा: रेल डीएसपी कंचन राज ने बताया था कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इलाहाबाद से ट्रेन खुलने के बाद संबंधित बोगी में कोई यात्री नहीं चढ़ा था और ट्रेन का दरवाजा बंद था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और एफएसएल टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। युवक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही।

♦ दानापुर में मौत नहीं

एलएनजेपी में 7 दिन से एक्सरे-ईसीजी मशीन खराब, जांच में देरी से इलाज समय पर नहीं

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना का एलएनजेपी (लोकनायक जयप्रकाश नारायण) अस्पताल, जहां पिछले 7 दिन से एक्स-रे और ईसीजी मशीन खराब है। इस वजह से मरीजों को परेशानी हो रही है। यहां हर दिन करीब 300 मरीज आते हैं। जिन्हें सुविधा नहीं मिल रही है। मजबूर होकर मरीज निजी जांच केंद्र जा रहे हैं। जहां उन्हें जांच के लिए 350 रुपए तक लग रहे हैं, जबकि एलएनजेबी अस्पताल में ये सुविधा फ्री में मिलती है। मरीजों ने आरोप लगाया कि समय पर जांच नहीं होने से इलाज में भी देरी हो रही है।

दूर से आने वाले मरीज होते परेशान: एलएनजेपी अस्पताल में कई ऐसे मरीज हैं जो लंबी दूरी से पहुंचते हैं। जब उन्हें पता चलता है कि जांच की मशीनें खराब हैं तो वे काफी परेशान होने लगते हैं। फिर वे अपने परिजन के साथ निजी जांच केंद्र की तलाश में लग जाते हैं। अनजान जगह होने के कारण निजी जांच केंद्र जाने में थोड़ी परेशानी भी होती है।

आने-जाने के खर्च और जांच के खर्च को मिलाकर 700 रुपए लग जाते हैं, जबकि मरीज एलएनजेपी में फ्री सुविधा सोचकर आते हैं।

जांच के लिए भटकना पड़ रहा: मरीज के परिजन चंदन कुमार ने बताया कि मशीनें खराब होने की वजह से बहुत दिक्कत हो रही है। नई मशीनें लानी चाहिए, ताकि मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।

2-3 दिन में समस्या खत्म हो जाएगा: एलएनजेपी के डायरेक्टर डॉ. राकेश चौधरी बताया कि खराब मशीनों की जानकारी मुझे नहीं दी गई थी। फिलहाल मिलाजुला कर काम हमलोग कर लेते है। जल्द ही मशीन ठीक करा ली जाएगी। एक्स-रे पिछले एक सप्ताह से खराब है उसमें कुछ विशेष तार की जरूरत है। जो इम्पोर्ट होकर आएगा तब बदला जाएगा। तब तक के लिए वैकल्पिक मशीन की व्यवस्था की गई है। हालांकि उससे काम नहीं हो रहा, अगले 2 से 3 दिन में सब ठीक हो जाएगा।

फतुहा फोरलेन पर युवक को गोली मारी, वारदात के बाद अपराधी फरार

5 किमी बाइक चलाकर जख्मी युवक पुलिस के पास पहुंचा

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना जिले के फतुहा और खुसरूपुर थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित बंजारा होटल के पास रविवार को एक युवक को गोली मार दी गई। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घायल की पहचान नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के पती बीघा निवासी उपेंद्र प्रसाद के 27 वर्षीय पुत्र विकास कुमार उर्फ सिकंदर के रूप में हुई है।

तीन अज्ञात लोगों ने मारी गोली: घायल विकास कुमार ने पुलिस को बताया कि वह अपने काम से जा रहा था, तभी तीन अज्ञात अपराधियों ने उसे घेर लिया और गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गौर करते हुए जांच कर रही है।

गोली लगने के बावजूद विकास कुमार ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी बाइक से करीब पांच किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर एक पुलिस वाहन के पास पहुंच गया। उसकी गंभीर हालत देखकर पुलिसकर्मियों ने उसे तत्काल फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने विकास की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया।

पटना जू में चलेगी ईको फ्रेंडली टॉय ट्रेन, जुलाई से ट्रैक बिछेगा

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना जू में ईको-फ्रेंडली ट्रेन चलेगी। जुलाई महीने से ट्रैक बिछाने का काम शुरू हो जाएगा। इसे बिछाने में 4 से 5 महीने लगेंगे और साल के अंत तक इस पर रेल सेवा शुरू कर दी जाएगी। ट्रेन के लिए इंजन और बोगी पहले मैसूर से आने वाली थी, लेकिन अब समस्तीपुर रेल फैक्ट्री में तैयार की जाएगी। दानापुर रेल मंडल की ओर से 3.7 किमी लंबा नया ट्रैक बनाया जाएगा। प्रशासन ने 5 करोड़ 81 लाख 73 हजार की राशि दानापुर रेल मंडल को ट्रांसफर कर दी है। रेलवे की ओर से जल्द काम शुरू करने का आश्वासन दिया गया है।

ट्रेन में कुल 4 बोगियां होंगी, एक साथ 120 यात्री करेंगे सफर: पर्यावरण और वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए बैटरी से संचालित ईको फ्रेंडली इंजन का इस्तेमाल होगा। ट्रेन में कुल 4 बोगियां होंगी। इसमें हर में 20 से 30 यात्रियों को

बैठने की क्षमता होगी। ट्रेन चिल्ड्रेन स्टेशन से शुरू होकर हाइना पिंजरा, जू हास्पिटल, शेर, बाघ और भालू के बाड़ों से गुजरते हुए पक्षी पिंजरे तक जाएगी। पर्यटक को पूरे जू का भ्रमण करने के दौरान नया अनुभव मिलेगा। हर दिन 5 से 10 हजार दर्शक पटना जू आते हैं। इस काम में देरी पर जू के एक अधिकारी ने बताया कि पहले से बिछे ट्रैक में कर्व अधिक है। खासकर जिराफ के इनक्लोजर के पास यह बहुत तीखा है। इसलिए विशेषज्ञ पहले के ट्रैक से अधिक चौड़ी पटरी बिछाना चाहते थे। कम चौड़े ट्रैक पर घुमाव के दौरान ट्रेन के डिरेल का खतरा रहता है।

जदयू में विधान परिषद चुनाव पर हो रहा मंथन

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर रविवार सुबह से ही जदयू के शीर्ष नेताओं के बीच लगातार बैठकों का दौर जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुबह सबसे पहले डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और राज्यसभा सांसद संजय झा के आवास पहुंचे। विधान परिषद चुनाव और संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चा होने की बात कही जा रही है। इसके बाद संजय झा भी 7 सर्कुलर रोड स्थित नीतीश कुमार के आवास पहुंचे, जहां दोनों नेताओं के बीच चुनावी रणनीति और संगठन से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक विधान परिषद की 10 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन और सहयोगी दलों के साथ तालमेल को लेकर मंथन किया गया।

वहीं, अब राज्यसभा सांसद संजय झा के आवास पर जदयू नेताओं की बैठक हुई। बैठक में डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी पहुंच चुके हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में विधान परिषद चुनाव की रणनीति, संभावित नामों और आगे की राजनीतिक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हो रही है।

NDA में सीट बंटवारे का फॉर्मूला लगभग तय: विधान परिषद की 9 सीटें खाली हो रही हैं, जबकि एक सीट पर उपचुनाव होना है। इस तरह कुल 10 सीटों पर चुनाव होगा। सूत्रों के मुताबिक एनडीए में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है। जेडीयू के कब्जे वाली चारों सीटें पार्टी के पास ही रहेंगी। वहीं भाजपा के हिस्से में इस बार तीन सीटें आने की संभावना है। शेष दो सीटों में एक एलजेपी (रामविलास) और एक राष्ट्रीय लोक मोर्चा को दी जा सकती है। एनडीए के सभी घटक दलों में लगातार मंथन चल रहा है और जून के पहले सप्ताह में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा हो सकती है।

भाजपा ने 3 सीटों के लिए 12 नाम दिल्ली भेजे: भाजपा ने अपने हिस्से की संभावित तीन सीटों के लिए उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया तेज कर दी है। पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 65 लोगों ने आवेदन किया था। सात चरणों की स्क्रूटनी के बाद भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने 12 नामों का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया है। अब भाजपा की संसदीय समिति इन नामों में से तीन उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम फैसला करेगी।

इन नामों की सबसे अधिक चर्चा: दिल्ली भेजे गए नामों में राकेश कुमार सिंह, प्रेम रंजन पटेल, सरोज रंजन पटेल, अनामिका पासवान, संजय मयूख, राजेंद्र वर्मा, ललन मंडल, बलराम मंडल, लाजवंती झा, राजेंद्र सिंह, बृजेश रतन और मितलेश रजक शामिल हैं। भाजपा सामाजिक और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए अंतिम उम्मीदवारों का चयन कर सकती है।

♦ संजय झा के आवास पर नेताओं की हुई बैठक, डिप्टी सीएम-ललन सिंह भी मौजूद

संक्षिप्त समाचार

देशभर के 101 पत्रकार डिजिटल सम्मान पत्र से सम्मानित, दैनिक लोकतंत्र की शान के रिपोर्टर राजेंद्र कैम् को भी पत्रकारिता क्षेत्र में मिला सम्मान

लोकतंत्र की शान : करनाल। पत्रकारिता के साथ-साथ पत्रकारों के हितों और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने वाले देशभर के 101 चयनित पत्रकारों को इस वर्ष डिजिटल सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस सूची में दैनिक लोकतंत्र की शान, करनाल (हरियाणा) के रिपोर्टर राजेंद्र कैम् का नाम भी शामिल है। उन्हें पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित पत्रकार विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित समाचार संस्थानों से जुड़े हैं। इस अवसर पर सभी सम्मानित पत्रकारों को उनके उत्कृष्ट पत्रकारिता योगदान के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

पेट्रोल-डीजल पर राज्य करों में 50 प्रतिशत की कटौती की जाए

» प्रदेश में कमरतोड़ महंगाई से तुरंत मिले राहत,
» खाद्य पदार्थ सस्ते दामों पर उपलब्ध कराए सरकार-अजय सिंह

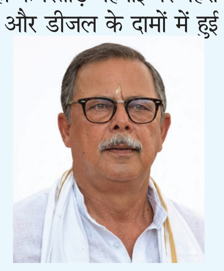

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राज्य में लगातार बढ़ रही कमरतोड़ महंगाई पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि पेट्रोल और डीजल के दामों में हुई बेतहाशा वृद्धि का सीधा असर आम जनता के रोजमर्रा के बजट पर पड़ा रहा है। परिवहन लागत बढ़ने के कारण बाजार में आवश्यक वस्तुओं और खाद्यान्न के दाम दो गुना तक बढ़ गए हैं, जिससे आम नागरिक का जीना मुहाल हो गया है। उन्होंने कहा कि महंगाई से राहत के लिए सरकार पेट्रोल और डीजल पर वेट टैक्स में तत्काल 50 प्रतिशत की कटौती करे, इससे बाजार में सभी आवश्यक वस्तुओं के दाम अपने आप नीचे आ जाएंगे। इसके अलावा सरकार तुरंत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गेहूं, चावल, दाल, खाद्य तेल और शक्कर को नियंत्रित दामों पर आम जनता को उपलब्ध कराए। अजय सिंह ने कहा कि इस भीषण महंगाई की सबसे मारक चोट गरीब परिवारों पर पड़ी है। इसके साथ ही अन्य वर्ग भी इस आर्थिक संकट की चपेट में आकर पूरी तरह त्राहि-त्राहि कर रहा है। ये सभी अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं। सरकार की गलत नीतियों के कारण अब घर चलाना तो मुश्किल हो ही गया है, साथ ही बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च उठाना भी असंभव होता जा रहा है। अजय सिंह ने कहा है कि यदि सरकार ने टैक्स कम करके और सस्ते राशन की व्यवस्था कर राहत नहीं पहुंचाई, तो जनता सड़क पर उतरकर आंदोलन के लिए मजबूर होगी।

राजीव कृष्ण संभालेंगे प्रदेश पुलिस की कमान डीजीपी के रूप में स्थायी नियुक्ति का आदेश जारी

लोकतंत्र की शान : लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण को प्रदेश का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। वह फिलहाल कार्यवाहक डीजीपी के रूप में प्रदेश पुलिस की कमान संभाल रहे थे। इस संबंध में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। राजीव कृष्ण ने तत्कालीन डीजीपी प्रशांत कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यवाहक डीजीपी का पदभार संभाला था। इससे पहले वह डीजी विजिलेंस और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पुलिस विभाग में उनकी पहचान एक अनुभवी, अनुशासित और परिणामोन्मुख अधिकारी के रूप में रही है।

अवैध कुर्बानी के अवशेष गंगा में फेंकने का आरोप क्षेत्र में गंदगी और प्रदूषण से लोगों में नाराजगी

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश/ मुरादाबादके थाना मझोला क्षेत्र स्थित टीपी नगर चौकी अंतर्गत जन्नत बाग इलाके में अवैध रूप से कुर्बानी किए जाने और उसके अवशेष गंगा नदी में फेंके जाने का आरोप सामने आया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस वजह से आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैल रही है और दुर्गंध के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि धार्मिक आयोजनों और कुर्बानी के बाद अवशेषों का निस्तारण निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाना चाहिए, ताकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। स्थानीय लोगों ने नगर निगम और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से क्षेत्र का निरीक्षण कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा गंदगी की तत्काल सफाई कराने की मांग की है। मामला थाना मझोला के टीपी नगर चौकी क्षेत्र स्थित जन्नत बाग का बताया जा रहा है।

तंबाकू निषेध दिवस पर ग्राम गनियारी में चला नशामुक्ति जन-जागरण

» छात्राओं ने दीवार लेखन, रैली व नुक्कड़ नाटक से दिया "नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो" का संदेश

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी, गत : अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा कटनी जिले में नशामुक्ति के प्रति जन-जागरूकता का सशक्त प्रयास किया गया। किसी श्रृंखला में विकासखंड कटनी में भी जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केशवाल के निर्देशानुसार एवं विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र के मार्गदर्शन, परामर्शदाता श्रीमती संयोगिता मिश्रा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की छात्राओं ने सेक्टर क्रमांक-4 पहाड़ी के ग्राम गनियारी में जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं ने गांव की दीवारों पर नशामुक्ति के प्रेरक स्लोगन लिखे, जागरूकता रैली निकाली तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू व नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विदित हो कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा मानव मूल्यों से जुड़े सभी विषयों पर आम जन को जागरूकता करने के प्रयास निरंतर किया जा रहे हैं।, किसी कड़ी में जिला प्रशासन के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के अंतर्गत तंबाकू और तंबाकू से बने पदार्थ का दुष्परिणाम समाज तक पहुंचाने के लिए यह अभियान चलाया गया जिससे देश का भविष्य युवा पीढ़ी जागरूक होकर नशे से दूर रह सके। ग्रामीणों ने जन अभियान परिषद के माध्यम से छात्राओं द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की और नशा न करने का संकल्प लिया। इस आयोजन में मुख्यमंत्री समुदायिकता क्षमता विकास कार्यक्रम में अध्यनरत छात्र-छात्राओं कृष्णा, सान्या पांडेय ,रामजी मिश्रा,दीक्षा सोनी, महिमा सोनी, दिव्या दुबे, सिया हल्दकार, सुमित्रा कोरी की विशेष सहभागिता रही।

भीषण गर्मी में सेवा के भाव जागे

लोकतंत्र की शान/ राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः गर्मी की तपस् जहां आम आदमी को परेशान कर रही थी वही समाज के कुछ लोगों द्वारा ठंडे पानी की छविल लगाकर सबसे बड़ा पुण्य कार्य किया, ठंडा पानी मीठा शरबत, लोग लाइन लगाकर मीठे पानी का आनंद ले रहे थे गाँव कंबोपुरा सेक्टर 5 में प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी भीषण गर्मी में छबील सेवा लगाकर गर्मी के बीच मीठा शरबत पिलाकर उनको राहत देने का कार्य किया तेज गर्मी की तपस् से जहां आम चलता राहगीर परेशान था वही कुछ गणमान्य लोगों द्वारा कंबोपुरा में छबील लगाकर सेवा का भाव दिखाया बढ़ती गर्मी और तेज धूप से लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से वार्ड नंबर 5 स्थित गांव कंबोपुरा में मीठे पानी की छबील लगाई गई। छबील में राहगीरों, मजदूरों तथा क्षेत्रवासियों को ठंडा एवं मीठा पानी वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में बच्चों के अलावा क्षेत्र के युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज सेवा का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान भीषण गर्मी में इस प्रकार के जनहित कार्य को मानवता की सच्ची सेवा बताया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सुभाष कम्बोज सहित अक्षय कम्बोज, जॉनी, राहुल, रोहित, अमन, रॉबिन, विशाल, संयम, मदन, सोनू, आजाद, पुष्कर एवं राजकुमार ने विशेष रूप से अपना सहयोग दिया। सभी सहयोगियों ने भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक एवं जनकल्याण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया।

3 किलो 722 ग्राम अवैध गांजा जप्त, एक आरोपी गिरफ्तार

» एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई, 55 हजार कीमत का मादक पदार्थ बरामद

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन रीवा गौरव राजपूत द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार 2.0 के अंतर्गत नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र रीवा हेमंत चौहान के मार्गदर्शन पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कुसमी संतोष तिवारी के मार्गदर्शन में थाना मड़वास पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए गांजा जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 30 मई 2026 को थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अतर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा अपने कब्जे में रखे हुए है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल रेड कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान संदेही/आरोपी सुरेन्द्र उर्फ गोलू साहू पिता शीतला प्रसाद साहू उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम नदहा थाना मड़वास जिला सीधी मप्र के कब्जे से 3 किलो 722 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 55 हजार रुपए है। पुलिस द्वारा आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना मड़वास में धारा 8(20) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक आरबी सिंह, सहायक उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक संजय सोनी, प्रधान आरक्षक लालमणि रावत एवं आरक्षक संजय साकेत की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

भुईमाड़ बाजार की मुख्य नाली बनी मुसीबत

जिम्मेदारों की उदासीनता से बढ़ा जनआक्रोश

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

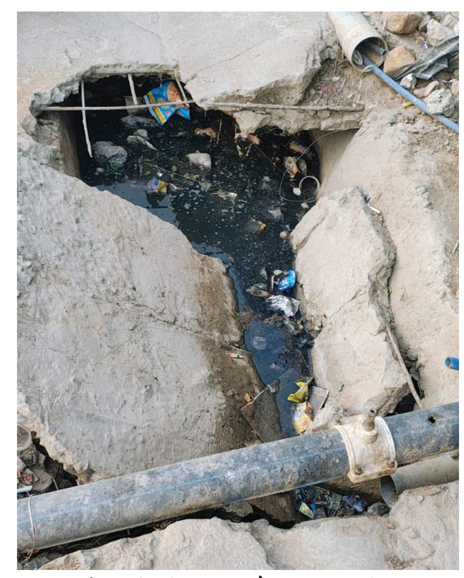

सीधी। जिले के कुसमी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत भुईमाड़ के मुख्य भुईमाड़ बाजार क्षेत्र की मुख्य नाली इन दिनों बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही की कहानी बयां कर रही है। बाजार के बीचों-बीच स्थित यह नाली पूरी तरह जाम हो चुकी है, जिसके कारण गंदा पानी जमा होकर सड़ रहा है और पूरे क्षेत्र में दुर्गंध का माहौल बना हुआ है। नाली में प्लास्टिक, कचरा और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के अंबार ने पानी के बहाव को पूरी तरह रोक दिया है, जिससे आसपास के दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नाली कई स्थानों पर टूट चुकी है और उसके ऊपर की संरचना ध्वस्त हो गई है। खुले गड्ढे और टूटी हुई स्लैब किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। बाजार में रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही रहती है, ऐसे में राहगीरों, बच्चों और वाहन चालकों के लिए यह स्थान खतरे का केंद्र बन गया है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार विभागों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से दूरी बनाकर बैठे हैं और आमजन की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं। बरसात का मौसम सिर पर है। यदि समय रहते नाली की सफाई और मरम्मत नहीं कराई गई तो वर्षा का पानी बाजार और आसपास के घरों-दुकानों में घुस सकता है। इससे व्यापार प्रभावित होने के साथ-साथ लोगों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ सकता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल नाली की सफाई, मरम्मत और जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि संभावित जलभराव और दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

थाना सिविल लाईनः- पुलिस मुठभेड़ में घायल वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, एक अदद तमंचा मय एक खोखा कारतूस व 02 जिन्दा कारतूस एवं एक मोटर साईकिल बरामद

लोकतंत्र की शान/ मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर उत्तर प्रदेश/ वादी की लिखित तहरीर बावत वादी के भाई पर दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों द्वारा सिर में गोली मारकर घायल कर भाग जाने के सम्बन्ध में थाना सिविल लाइन पर मु0अ0सं0-244/2026, धारा- 109(1) BNS बनाम रणवीर, सतवीर पंजीकृत किया गया था । विवेचना के क्रम में साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में अभियुक्त रवि पुत्र झम्मन सिंह निवासी ग्राम चंदनपुर थाना पटवाई रामपुर का नाम प्रकाश में आया । पुलिस अधीक्षक, अनुराग सिंह द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह, रामपुर के कुशल निर्देशन में आज दिनांक 30.05.2026 को थाना सिविल लाइन पुलिस मय एसओजी टीम द्वारा कोसी नदी से आश्रम पद्धति रोड गश्त/चैकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक चालक को रोकने का प्रयास किया गया । उक्त द्वारा स्वंय को पुलिस से घिरता देख कच्चे रास्ते से बाइक लेकर भागने लगा एवं बाइक स्लिप होकर गिर गया । जिसके द्वारा स्वंय को पुलिस से घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की गयी । आत्मरक्षार्थ थाना सिविल लाइन पुलिस व एसओजी टीम द्वारा फायर करने पर अभियुक्त के बायें पैर मे गोली लगी । थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा घायल अभियुक्त को उचित उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया । अभियुक्त के कब्जे से एक नाजायज तमंचा 315 बोर मय एक खोखा कारतूस, 02 जिंदा कारतूस एक मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर रंग काला बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ गिरफ्तार किया गया । विवेचना के क्रम में मुकदमा उपोरक्त में धारा- 3(5) बी0एन0एस0 वृद्दि की गयी एवं बरामदगी के आधार पर थाना सिविल लाइन पर मु0अ0 सं0 247/2026 धारा-247/2026 धारा 109(1) बीएनएस व धारा 3/25/27 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।

बरामदगी

1. एक तमंचा नाजायज 315 बोर मे एक खोखा कारतूस 315 बोर मय 02 जिंदा कारतूस
2. मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर रंग काला बिना रजिस्ट्रेशन नंबर

प्रभारी निरीक्षक ओमकार सिंह

उप निरीक्षक दीपक मलिक एस ओ जी प्रभारी

गारमेंट्स दुकान में लगी आग, लाखों की सामग्री खाक

पटपरा चौराहे में स्थित दुकान में लगी भीषण आग

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

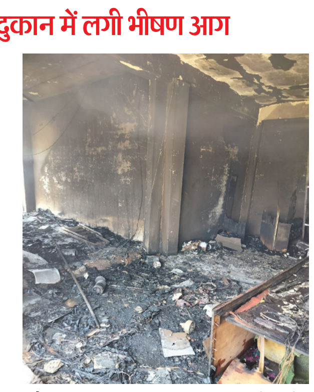

सीधी। जिले के कमर्जी थाना अंतर्गत पटपरा चौराहा में स्थित आल गारमेंट्स दुकान में भीषण आग लगने से लाखों की सामग्री जलकर खाक हो गई। आग लगने का कारण विद्युत शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। पीड़ित व्यवसायी सत्यभान साकेत पिता शिवराज साकेत निवासी पडऱा सीधी ने बताया कि उसकी दुकान पटपरा चौराहे में शिवजी इंटरप्राइजेस आल गारमेंट्स कपड़ा की दुकान संचालित है। 29 मई की शाम 7 बजे दुकान बंद करके अपने घर चला गया था। 30 मई की सुबह मकान मालिक ने फोन करके बताया कि तुम्हारे दुकान में आग लगी है। घर से जब दुकान पहुंचा तो वहां फायर ब्रिगेड एवं डायल 112 वाहन मौजूद था। दुकान में लगी आग को फायर ब्रिगेड से बुझाया जा रहा था। दुकान का शटर खोलकर आग बुझाई जा रही थी। भीषण आग लगने के कारण दुकान में रखा कपड़ा एवं फर्नीचर जलकर खाक हो चुका था। दुकान से बिजली के खंबे तक लगी केबिल भी आग से जली हुई थी। पीड़ित व्यवसायी ने बताया कि दुकान में कपड़ा एवं भव्य काउंटर फर्नीचर के साथ करीब 20 लाख रुपए की नुकसानी हुई है। वह 6 वर्ष से पटपरा में दुकान संचालित कर रहा था। घटना की लिखित रिपोर्ट कमर्जी थाना में की गई है।

बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 1 में इंदिरा नगर एवं सरला नगर बने आईएचएसडीपी योजना के मकान

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः विगत 8 साल 10 साल से लोगों ने आवासी मकान में अवैध कब्जा कर रखा है जिससे कटनी नगर निगम को लाखों रुपए की राजस्व हानि हो रही है इस विषय में मैंने कई बार नगर निगम प्रशासन को अवगत कराया लगभग 8 से 10 पत्र लिखें पर कटनी नगर निगम आंखें बंद कर आज तक बैठा है ऐसा प्रतीत होता है की नगर निगम की सहमति से एनआईएचएसडीपी योजना के मकान में लोगों ने कब्जा कर रखा है कुछ लोग तो कटनी जिले के बाहर के हैं नगर निगम प्रशासन ने इन लोगों को मेल कनेक्शन एवं बिजली मीटर भी लगवा दिया है बिना अधिकार पत्र दिए कुछ मकानों पर एक ही परिवार के पांच छह लोगों ने अलग-अलग कब्जा कर किराए से दे दिया है इन्हीं आईएचएसडीपी मकान में बिना अनुमति डबल स्टोरी निर्माण कार्य भी जोरों से चालू है कुछ आईएचएसडीपी के बने मकानों में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेकर डबल स्टोरी बना लिया गया है क्या एक व्यक्ति दो योजनाओं का लाभ ले सकता है मेरा मध्य प्रदेश शासन से एवं स्थानीय प्रशासन से अनुरोध है तत्काल इस विषय को गंभीरता से लेकर इसकी जांच कराई जावे दोषी अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जरूरतमंद लोगों को इन मकानों को आवंटित किया जावे और जो गंभीर एनीमिटाएं हो रही हैं उसे पर कठोर कार्रवाई की जाए नगर निगम आयुक्त से मैंने कई बार व्यक्तिगत मिलकर अनुरोध किया एक बार इन भवनों की हालत तो देखले वास्तविक स्थिति से स्वयं अवगत हो जाएंगे इन भवनों में कही बकरी पाली है किसी में जानवर पाले हैं और किसी में अवैध कब्जे हैं इस विषय को गंभीरता से लेकर नगर निगम की हो रही राजस्व हानिको रोका जावे उक्त जानकारी पूर्व पार्षद राज किशोर यादव पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम कटनी

मड़वास पुलिस की बड़ी सफलता चोरी गए 25.80 लाख के 71 लोहे के विद्युत खंभे बरामद

» आरडीएसएस योजना अंतर्गत चोरी हुए एच-बीम खंभों की बरामदगी, आरोपी के कब्जे से मशरूका जप्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी कुसमी संतोष तिवारी के मार्गदर्शन में थाना मड़वास पुलिस को चोरी के एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने चोरी किए गए लोहे के खंभों में से 71 नग एच-बीम खंभे कुल कीमत 25,80,424 रुपए बरामद कर जप्त किए हैं। पुलिस के अनुसार 19 मई 2026 को सूचनाकर्ता सिद्धार्थ सिंह परिहार पिता भूपेंद्र सिंह परिहार उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 9 निराला नगर रीवा, थाना विश्वविद्यालय जिला रीवा मप्र द्वारा थाना मड़वास में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरडीएसएस योजना अंतर्गत सिंगरौली वृत्त में विद्युत वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्य हेतु वन चौकी सिकरा में रखे 33 केव्ही के 13 मीटर एच-बीम के 55 नग एवं ग्राम टिकरी स्थित राइस मिल के पास रखे 33 केव्ही के 13 मीटर एच-बीम के 76 नग कुल 131 नग लोहे के खंभे, जिनकी अनुमानित कीमत 47,61,064 है, अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हाइड्रा वाहन से ट्रेलर में लोड कर चोरी कर लिए गए। रिपोर्ट पर थाना मड़वास में धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के निर्देशन तथा एसडीओपी कुसमी संतोष तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अतर सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी किए गए खंभों में से 71 नग एच-बीम लोहे के खंभे कुल कीमत 25,80,424 रुपए आरोपी भूपेश कुमार पटेल के कब्जे से, उसके ससुर दिवाकर सिंह के यहां ग्राम बिंदूनगर थाना रामनगर जिला मैहर मप्र से बरामद कर जप्त किए गए। पुलिस द्वारा मामले में अन्य आरोपियों एवं शेष मशरूका की तलाश जारी है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अतर सिंह, प्रधान आरक्षक सूर्यप्रताप सिंह एवं आरक्षक राहुल गिरवाल की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

बजट के बाद नेपाल में सोने की कीमत प्रति तोला 3 लाख रुपये के पार

काठमांडू। नेपाल की बालेन्द्र सरकार के शुक्रवार को बजट पेश करने के बाद रविवार को सोने की कीमत में प्रति तोला 20,500 नेपाली रुपये की भारी वृद्धि दर्ज की गई। इसी के साथ सोने की कीमत 3 लाख रुपये के पार पहुंच गया है। नेपाल स्वर्ण तथा रजत व्यवसायी महासंघ के प्रथम उपाध्यक्ष धर्मसुन्दर बज्राचार्य के अनुसार बजट में सोने पर लगने वाले सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिए जाने के कारण मूल्य में यह बड़ी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि बजट में घोषित सीमा शुल्क दर अगले ही दिन से लागू हो जाती है। उसी के अनुरूप महासंघ ने रविवार को सोने के मूल्य में समायोजन किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत में केवल मामूली वृद्धि हुई थी, लेकिन सीमा शुल्क बढ़ने के कारण आज सोना प्रति तोला 20 हजार रुपये से अधिक महंगा हो गया। वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने शुक्रवार को प्रस्तुत बजट में सोने पर लगने वाला 2 प्रतिशत विलासिता कर (लक्जरी टैक्स) हटाने की घोषणा की थी, जिससे राहत मिलने का आभास हुआ। हालांकि, साथ ही सीमा शुल्क दर को दोगुना कर 20 प्रतिशत कर दिया गया, जिससे कुल प्रभाव कीमतों में भारी बढ़ोतरी के रूप में सामने आया। रविवार को सोने की कीमत बढ़कर 3 लाख 11 हजार 100 नेपाली रुपये प्रति तोला पहुंच गई। इससे पहले शुक्रवार को सोने का कारोबार 2 लाख 90 हजार 600 रुपये प्रति तोला के भाव पर हुआ था। नेपाल में सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार के भाव अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर तथा आयात पर लगने वाले सीमा शुल्क एवं अन्य करों से प्रभावित होती है। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में केवल 0.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। केवल सोना ही नहीं, चांदी पर भी सीमा शुल्क 10 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका असर चांदी की कीमतों पर भी पड़ा है। रविवार को चांदी की कीमत में प्रति तोला 305 रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। शुक्रवार को चांदी का भाव 5,040 रुपये प्रति तोला था, जो बढ़कर रविवार को 5,345 रुपये प्रति तोला पहुंच गया।

अमेरिका में स्वतंत्रता के 250 वर्ष पूरे होने का जश्न शुरू होने से पहले विवादों में घिरा

वाशिंगटन। अमेरिका में आजादी के 250 वर्ष पूरे होने पर मनाया जाने वाला जश्न शुरू होने से पहले ही विवादों से घिर गया है। नेशनल मॉल में होने वाले 'द ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर' से कई दिग्गज संगीतकारों ने अपने नाम वापस ले लिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चिंता की कोई बात नहीं, वह इस महोत्सव की कमान खुद संभालेंगे। आयोजकों ने शनिवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की कि इसका आयोजन फ्रीडम 250 नाम का संगठन कर रहा है। संगठन की प्रवक्ता डेनियल अल्वारेज ने बताया कि जश्न 25 जून से शुरू होगा। 10 जुलाई को इस महोत्सव का समापन होगा। इस पूरे घटनाक्रम पर डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने संगीतकारों पर निशाना साधते हुए लिखा कि उन्हें प्रस्तुति देने में डर लग रहा है। ट्रंप ने इन संगीतकारों को निम्नतम श्रेणी का कलाकार बताया। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार फ्रीडम 250 ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार (24 जून) को महोत्सव के उद्घाटन समारोह का नेतृत्व करेंगे। प्रवक्ता डेनिएल अल्वारेज ने बयान में कहा कि कब्राइड, ब्रेट माइकल्स, यंग एमसी, मॉरिस डे एंड द टाइम और द कमोडोर्स को इसमें हिस्सा लेना था। शुक्रवार शाम तक इन सभी ने घोषणा कर दी कि वह महोत्सव में हिस्सा नहीं लेंगे। उधर, इनमें से कई संगीतकारों ने आरोप लगाया कि उन्हें इस कार्यक्रम के स्वरूप के बारे में गुमराह किया गया। संगठन ने संगीतकारों के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। फ्रीडम 250 की दूसरी प्रवक्ता रचेल रीसनर ने बयान में कहा, "ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर सभी अमेरिकियों का एक उत्सव है। संगठन एक ऐसा अनूठा अनुभव देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जो इस देश के हर कोने को नेशनल मॉल में एक साथ लाता है।" रीसनर ने कहा, "हम किसी भी कलाकार के अपने फैसले लेने के अधिकार का सम्मान करते हैं। हमारे दरवाजे उन सभी कलाकारों के लिए खुले हैं जो अमेरिकी स्वतंत्रता, संस्कृति और एकता के 250 वर्षों का सम्मान करने का हिस्सा बनना चाहते हैं।"

मप्र के रायसेन जिले की अंजना यादव ने माउंट एवरेस्ट पर फहराया तिरंगा, मुख्यमंत्री यादव ने दी बधाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के ग्रामीण अंचल में साधारण परिवार में जन्मी अंजना यादव ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपनी अथक मेहनत, साहस और अटूट दृढ़ संकल्प के बल पर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर भारत का तिरंगा फहरा दिया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंजना को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि रायसेन जिले के ग्राम सेमरी की अंजना यादव ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलता पूर्वक चढ़ाई कर हम सभी को गौरवान्वित किया है। प्रदेश की बेटी अंजना ने इतिहास रच कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंजना का साहस, संकल्प और समर्पण सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने अंजना यादव के उज्जवल भविष्य की कामना की। रायसेन जिले के सांची विकासखंड अंतर्गत ग्राम सेमरी की रहने वाली अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही अंजना यादव ने 27 मई को सुबह 5:24 बजे विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह कर तिरंगा फहराया और देश व प्रदेश का गौरव बढ़ाया। एक साधारण ग्रामीण परिवार से निकलकर एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचना उनकी अथक मेहनत, साहस और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। इसके पूर्व अंजना यादव ने ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूर्ण होने पर 6119 मीटर ऊंची लाबुचे पीक पर ऑपरेशन सिंदूर का बैनर लहराकर भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को नमन किया था। अंजना यादव ने एवरेस्ट बेस कैंप से एक भावुक संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि 'यह केवल एक चढ़ाई नहीं बल्कि उन शहीदों के प्रति राष्ट्र की अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत की गूंज अब विश्व की सबसे ऊंची चोटियों तक पहुंच गई है। यहां से सैनिकों के बलिदान को नमन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के नक्सलमुक्त इरकभट्टी गांव में पहली बार मंत्री संग ग्रामीणों ने सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ अंतर्गत दूरस्थ इरकभट्टी गांव में नक्सलवाद की समाप्ति के बाद एक अलग माहौल देखने को मिल रहा है। कभी नक्सली प्रभाव के कारण मुख्यधारा से कटे रहे इस गांव में पहली बार रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। खास बात यह रही कि नक्सल मुक्ति के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ सरकार के किसी मंत्री ने इरकभट्टी गांव पहुंचकर सैकड़ों ग्रामीण के बीच बैठकर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सुना। नारायणपुर के विधायक एवं वन मंत्री केदार कश्यप अपने ही विधानसभा के इलाके अबूझमाड़ के दूरस्थ इरकभट्टी गांव में पहली बार पंहुचकर स्थानिय ग्रामीणों के साथ इमली पेड़ की छांव तले बैठकर प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री के विचारों और देश के विकास से जुड़े विषयों को ध्यानपूर्वक सुना। 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने एथलेटिक्स में देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों के संघर्ष और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए युवाओं को प्रेरित किया। मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि एक समय क्षेत्र में नक्सली प्रभाव इतना अधिक था कि लोग भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन बिताने को मजबूर थे। स्थानिय विधायक होने के बावजूद यहां तक पंहुचना नामुनकिन था। अब हालात बदल रहे हैं और शांति का वातावरण बनने लगा है। इसी बदले माहौल में पहली बार ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। गांव के बीच स्थित इमली पेड़ के नीचे आयोजित यह कार्यक्रम लोकतांत्रिक सहभागिता और सामाजिक बदलाव का प्रतीक बन गया है। जिस क्षेत्र की पहचान कभी भय और बंदूक से होती थी, वहीं अब ग्रामीण स्वेच्छा से एकत्र होकर देश के प्रधानमंत्री के विचार सुन रहे हैं।

तीन बेटियों के साथ मां ने खाया कीटनाशक, चारों की मौत

एजेंसी, शहडोल

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के पपौंध थाना क्षेत्र के हिरवाह गांव में रविवार को एक महिला और उसकी तीन मासूम बेटियों की कीटनाशक सेवन के बाद मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। मृतकों की पहचान अनिता सिंह (32), रितिका (7), कृष्णकुमारी (4) और अर्पिता (2) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में मां और तीनों बेटियां ही मौजूद थीं। अनिता का पति, जो पेशे से ड्राइवर है, रोजगार के सिलसिले में बाहर गया हुआ था। रविवार सुबह महिला ने अपनी तीन बेटियों को कीटनाशक खिला दिया, फिर खुद भी निगल लिया। इससे चारों की तबीयत बिगड़ गई। बड़ी बेटी ने घर से बाहर आकर पड़ोसियों को पुकारा और सारी बात बताई। पड़ोसी चारों को लेकर ब्यौहारी अस्पताल गए, जहां डॉक्टरों ने महिला और छोटी दो बेटियों को मृत घोषित कर दिया, जबकि बड़ी बेटी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पपौंध थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए। महिला के पति को फोन कर जानकारी दी गई।

पपौंध थाना प्रभारी बृजेंद्र मिश्रा ने बताया कि बड़ी बेटी रितिका ने प्रारंभिक जानकारी में बताया था कि उसकी मां ने खांसी की दवा बताकर कोई पदार्थ दिया था। इसके बाद घर में रखे दस्तावेज, कपड़े, फोटो और अनाज में भी आग लगा दी गई थी। कीटनाशक की कम मात्रा गले से नीचे जाने पर रितिका बेहोश नहीं हुई थी। वह घर से बाहर आई और शोर मचाया। थाना प्रभारी ने बताया कि रितिका इस बात की जानकारी नहीं दे पाई कि मां ने ये कदम क्यों उठाया? पुलिस के अनुसार घर के आर्थिक हालत बहुत अच्छे नहीं हैं। अनीता का पति करीब दो महीने पहले परिवार से मिलने आया था। उन्होंने बताया कि मौके से एक एल्यूमिनियम फॉस्फाइड का पैकेट भी बरामद हुआ है, जिसे जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। हालांकि पुलिस इन तथ्यों की स्वतंत्र रूप से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, यह परिवार मूल रूप से तिखवा गांव का रहने वाला है, लेकिन हिरवाह गांव में अपनी सात एकड़ जमीन पर बने प्रधानमंत्री आवास में अनीता बच्चों के साथ रह रही थी। अनिता अपने बच्चों के साथ सास-ससुर से अलग रहती थी। पति बाहर रहकर परिवार का खर्च भेजता था, जबकि अनिता भी मजदूरी कर परिवार की मदद करती थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और परिजनों, पड़ोसियों तथा मायके पक्ष के लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। चारों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचा दिया है। साथ ही, मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पिछले 12 वर्षों के तकनीकी बदलाव ने विकसित भारत की नींव रखीः डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में हुए तकनीकी परिवर्तन ने साल 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव रख दी है। इस अवधि में भारत तकनीक का अनुसरण करने वाले देश से आगे बढ़कर तकनीक का नेतृत्व करने वाला देश बन गया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को नीति निर्माण के केंद्र में रखा गया है। इससे न केवल नवाचार को बढ़ावा मिला है बल्कि अनुसंधान और विकास को भी नई गति मिली है।

उन्होंने कहा कि आज भारत अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, क्वांटम तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। ये सभी क्षेत्र मिलकर भारत के तकनीकी भविष्य को आकार दे रहे हैं और साल 2047 के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी के बाद भारत का स्पेस इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। स्पेस स्टार्टअप्स की संख्या कुछ से बढ़कर 400 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि क्वांटम मिशन के तहत भारत ने लगभग 2,000 किलोमीटर की क्वांटम संचार क्षमता के लक्ष्य में से आधा कार्य शुरुआती वर्षों में ही हासिल कर लिया है। यह देश की बढ़ती तकनीकी क्षमता का प्रमाण है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज शासन, स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। भारत एआई मिशन के माध्यम से भविष्य की डिजिटल तकनीकों में नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं रहा बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री के 5 जून के सूरत दौरे की तैयारियां तेज, सीआर पाटिल और हर्ष संघवी ने की समीक्षा बैठक

एजेंसी, सूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी 5 जून को प्रस्तावित सूरत दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन और व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए रविवार को सूरत जिला कलेक्टर कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एवं नवसारी सांसद सीआर पाटिल और गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने की।

बैठक में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री के दौरे को सुचारू और सफल बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, लाभार्थियों एवं आमंत्रित अतिथियों की आवाजाही सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समयबद्ध और प्रोटोकॉल के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर तेजस परमार ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विस्तृत प्रस्तुति भी दी। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कलेक्टर परमार ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित होगा। पहले चरण में प्रधानमंत्री हजीरा स्थित एल एंड टी प्लांट का दौरा करेंगे। इसके बाद दूसरे चरण में सूरत के इंडोर स्टेडियम में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न विभागों से जुड़े लगभग 18 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे, 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेता लाभान्वित

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के 6 साल पूरे होने पर कहा कि इस योजना के तहत पिछले छह वर्षों में देशभर के 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को लाभ मिला है। योजना ने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना के 6 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को अगर्तला में आयोजित कार्यक्रम में मनोहर लाल ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा की उपस्थिति में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान त्रिपुरा के रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को ऋण स्वीकृति पत्र और क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए गए।

मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2020 में शहरी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनकी आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम स्वनिधि योजना शुरू की थी। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराना नहीं बल्कि रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अब तक 1.12 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 17,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लाभार्थियों को वितरित की गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2.59 लाख से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं, जिनके माध्यम से 430 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। कहा कि त्रिपुरा में अब तक 9,300 से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं और लगभग 15 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों को वितरित की गई है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, योजना का प्रभाव व्यापक रहा है। इसके तहत 34.81 लाख

◆ अगर्तला में मनोहर लाल ने लाभार्थियों से किया संवाद, ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए

महिला रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को सशक्त बनाया गया है तथा महिलाओं को 51.84 लाख ऋण वितरित किए गए हैं। इसके अलावा, 55 लाख से अधिक विक्रेताओं को डिजिटल प्रणाली से जोड़ा गया है। मंत्रालय ने बताया कि योजना के लाभार्थियों की औसत आय में प्रतिवर्ष लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, 30 प्रतिशत से अधिक लाभार्थियों ने योजना के तहत मिले ऋण से आगे बढ़कर अन्य स्रोतों से भी ऋण प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि जून 2020 में शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना के तहत अब तक 1.05 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। साथ ही 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल के अंतर्गत 50 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेता परिवारों की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग की गई है तथा विभिन्न केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं के तहत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने साकेत भवन दुर्घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दक्षिणी दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के पास उस हादसा स्थल का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया जहां एक पांच मंजिला इमारत गिर गई थी। उन्होंने मौके पर घटना की पूरी जानकारी ली और वहां जारी बचाव कार्य की समीक्षा की। उन्होंने हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, जिला प्रशासन, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), सिविल डिफेंस और अन्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बचाव अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और संभावित रूप से फंसे हर व्यक्ति की तलाश पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ की जाए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित परिवारों से भी मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि पीड़ितों को

हरसंभव आर्थिक तथा प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मेहरौली थाने में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही हादसे के वास्तविक कारणों और जवाबदेही तय करने के लिए दक्षिण जिला के जिलाधिकारी के नेतृत्व में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि भवन ध्वस्त होने के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाए।

प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर 'जल संचय' बना देशव्यापी जन आंदोलन : सीआर पाटिल

एजेंसी, नवसारी

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज 'जल संचय' देश का एक बड़ा जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर शुरू हुए इस अभियान को देशभर में अभूतपूर्व जनसमर्थन मिला है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

गुजरात के नवसारी में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए लोगों से अपनी कर्मभूमि से मातृभूमि तक जल संचय के कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया था। इसी का परिणाम है कि 6 सितंबर 2024 को शुरू हुए इस अभियान के तहत इस वर्ष 31 मई तक देशभर में लगभग एक करोड़ 50 लाख जल संचय संरचनाओं का निर्माण पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले चरण में 31 मई 2025 तक 27.50 लाख संरचनाएं तैयार हुई थीं, जिनसे करीब 2.4 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) अतिरिक्त जल संग्रहण क्षमता विकसित हुई थी। अब डेढ़ करोड़ से अधिक संरचनाओं के निर्माण से आगामी मानसून में और अधिक मात्रा में वर्षा जल का संचय संभव हो सकेगा।

पाटिल ने मानसून को ध्यान में रखते हुए नवसारी महानगरपालिका द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि शहर में जलभराव की समस्या को रोकने के लिए खाड़ी को नदी की तर्ज पर चौड़ा और गहरा करने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इस कार्य में जिला प्रशासन, महानगरपालिका, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय से पहले कार्य पूरा करने की संस्कृति भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक व्यवस्था की पहचान है। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल के कारण आम जनता को राहत मिल रही है तथा भविष्य की समस्याओं का समाधान पहले से ही सुनिश्चित किया जा रहा है।

तृणमूल विधायक मदन मित्रा के आवास पर ताला तोड़कर पुलिस ने की तलाशी, दस्तावेज जब्त

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कमरहाटी विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस विधायक मदन मित्रा के आवास 'उदय विला' पर रविवार को पुलिस ने छापेमारी की। यह कार्रवाई बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय के दक्षिण डिवीजन के पुलिस उपायुक्त द्युतिमान भट्टाचार्य के नेतृत्व में की गई। सूत्रों के अनुसार, जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आवास बंद था और विधायक मदन मित्रा वहां मौजूद नहीं थे। इसके बाद पुलिस ने ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और करीब एक घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, जिस परिसर में यह आवास और पार्टी कार्यालय संचालित होता है, उस जमीन को लेकर विवाद सामने आया है। आरोप है कि यह भूमि किसी केंद्रीय सरकारी संस्था की संपत्ति है, जिसके स्वामित्व और निर्माण की वैधता को लेकर जांच की जा रही है।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि मदन मित्रा समय-समय पर इस आवास में रुकते हैं, हालांकि संपत्ति के कानूनी स्वामित्व को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने तलाशी के दौरान कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। तलाशी अभियान पूरा होने के बाद पुलिस टीम परिसर को फिर से बंद कर वहां से लौट गई। फिलहाल, इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

मदन मित्र के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह इस समय दक्षिण कोलकाता स्थित अपने आवास पर हैं। रविवार को तृणमूल कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक मुख्यमंत्री एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर आयोजित की जा रही है। बताया जा रहा है कि इसी बैठक में शामिल होने के लिए मदन मित्र दक्षिण कोलकाता में मौजूद हैं।

विकासशील देशों के लिए अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) ने अपना 44वां स्थापना दिवस मनाया

एजेंसी, नई दिल्ली

विकासशील देशों के लिए अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) ने शनिवार को दिल्ली में अपना 44 वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर "कृषि परिवर्तन हेतु भारत-अफ्रीका साझेदारी को सुदृढ़ बनाना" विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। यह सम्मेलन शनिवार को दक्षिण ग्लोबलः साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, आरआईएस और आईसीआरआईसैट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस मौके पर विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को रेखांकित करते हुए कहा, "भारत की विकास यात्रा केवल देश तक सीमित नहीं है बल्कि यह विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों सहित सम्पूर्ण विश्व की प्रगति से जुड़ी हुई है।" उन्होंने साक्ष्य-आधारित नीति सुझावों और वैश्विक मंचों पर विकासशील देशों की आवाज मजबूत करने में आरआईएस की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

नीति आयोग के पूर्व सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप अपने शोध का दायरा बढ़ाने के लिए आरआईएस की प्रशंसा की।

वहीं, आरआईएस की शासी परिषद के सदस्य डॉ. शेषाद्रि चारी ने कहा कि समकालीन विकासात्मक चुनौतियों के समाधान और रणनीतिक नीति विमर्श को दिशा देने में संस्थान की प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है। विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव (पीपी एंड आर) अपर्णा राय ने कहा कि समावेशिता, समानता और दक्षिण-दक्षिण सहयोग जैसी अवधारणाओं को वैश्विक नीति विमर्श में स्थापित करने में आरआईएस का योगदान उल्लेखनीय रहा है। इससे पहले आरआईएस के महानिदेशक प्रोफेसर सचिन कुमार शर्मा ने 1983 में संस्थान की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा का ब्यौरा देते हुए कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और बहुपक्षीय संस्थाओं में बढ़ते विखंडन के इस दौर में आरआईएस की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। संस्थान वैश्विक दक्षिण की विकासात्मक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सम्मेलन में सतत कृषि प्रणालियों, जलवायु-अनुकूल कृषि, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और कृषि-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसमें देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने अनुभवों का आदान-प्रदान किया, जिससे अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण में प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि विकास की नई राहें खुलीं।

इस समारोह में देश-विदेश के प्रमुख नीति-निर्माताओं, राजनयिकों, विद्वानों और संस्थान के पूर्व सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और नीति अनुसंधान के क्षेत्र में आरआईएस के चार दशकों से अधिक के योगदान की सराहना की।

माता-पिता की निस्वार्थ सेवा करनी चाहिए

लेखक - संजय गोस्वामी

हर बच्चे को श्रवण कुमार की तरह अपने माता-पिता की निस्वार्थ सेवा करनी चाहिए। यही उनका सबसे बड़ा कर्तव्य है त्रेता युग में श्रवण कुमार नाम का एक बालक था। उनके माता-पिता अंधे थे और उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना करते हुए श्रवण का पालन-पोषण किया। श्रवण कुमार बचपन से ही अपने माता-पिता का बहुत सम्मान करते थे। जैसे-जैसे श्रवण बड़ा हुआ, उसने घर की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली।हर दिन, वह सुबह उठकर सबसे पहले अपने माता-पिता को स्नान कराने के लिए तालाब से पानी लाता था। इसके बाद वह तुरंत जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने चला जाता। फिर लकड़ी लाकर श्रवण चूल्हा जलाता और अपने माता-पिता के लिए खाना बनाता।श्रवण को इतनी मेहनत करते देख उसकी माँ हमेशा उसे डांटती रहती थी। वह कहती थी, “श्रवण बेटा, तुम अकेले इतना काम क्यों करते हो? आप मुझे खाना बनाने दीजिए. मैं इसे आसानी से बना लूंगा. इसके बजाय, तुम्हें थोड़ा आराम करना चाहिए।”अपनी माँ की ये बातें सुनकर श्रवण कुमार ने कहा, “नहीं माँ, मैं ये सब काम सिर्फ आपके लिए करता हूँ। माँ-बाप के लिए किये गये काम में कैसी थकान? इसके विपरीत, मुझे ख़ुशी महसूस होती है।”श्रवण कुमार की ये बातें सुनकर उनकी मां भावुक हो गईं. वह प्रतिदिन ईश्वर से प्रार्थना करती थी, “हे प्रभु! हर माता-पिता को श्रवण जैसा बेटा मिले जो इतना ख्याल रखने वाला हो।श्रवण के माता-पिता नियमित रूप से भगवान की पूजा करते थे। वह उनके लिए फूल और अन्य पूजा सामग्री लाता था। फिर वह स्वयं बिना किसी देरी के अपने माता-पिता के साथ पूजा में शामिल हो जाता। धीरे-धीरे श्रवण कुमार बड़े हो गए और घर का काम जल्दी-जल्दी निपटाकर काम पर निकल जाते।एक दिन श्रवण अपने माता-पिता के साथ बैठा था, तभी उन्होंने श्रवण से कहा, “बेटा, तुमने हमारी हर इच्छा पूरी कर दी है। अब हमारी एक ही इच्छा है, जिसे हम पूरा करना चाहते हैं.यह सुनकर श्रवण ने उनसे पूछा, आपकी शेष इच्छा क्या है जिसे आप पूरा करना चाहते हैं? आप बस ऑर्डर करें. मैं तुम्हारी हर इच्छा पूरी करूंगा।”इस पर श्रवण के पिता ने कहा, “बेटा! अब हम बूढ़े हो गए हैं और मरने से पहले तीर्थयात्रा पर जाना चाहते हैं। ईश्वर की शरण में जाकर हमें शांति मिलेगी।”अपने माता-पिता की बात सुनकर श्रवण कुमार सोचने लगे कि वह उनकी इच्छा कैसे पूरी करेगा। उस समय बस और ट्रेन की सुविधा नहीं थी। साथ ही उसके माता-पिता भी नहीं देख सके. ऐसे में उन्हें तीर्थयात्रा पर भेजना कैसे संभव होगा?तब श्रवण कुमार को एक युक्ति सूझी। वह तुरन्त बाहर गया और वहाँ से दो बड़ी टोकरियाँ ले आया। उसने उन दोनों टोकरियों को एक मोटी रस्सी की सहायता से एक मजबूत खंभे पर लटकाकर एक बड़ा पैमाना बनाया।फिर श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को उस तराजू पर एक-एक करके अपनी गोद में बैठाया। इसके बाद उन्होंने तराजू अपने कंधों पर उठा लिया और तीर्थ यात्रा पर निकल पड़े. वह अपने माता-पिता को कुछ दिनों तक लगातार एक के बाद एक सभी तीर्थों पर ले जाने लगा। इसी दौरान श्रवण कुमार अपने माता-पिता को प्रयाग से काशी की यात्रा पर ले गये।श्रवण कुमार अपने माता-पिता को घुमाते समय उन स्थानों के बारे में बताते थे, क्योंकि वह वह दृश्य अपनी आँखों से नहीं देख पाते थे। उनके माता-पिता अपने बेटे की मेहनत देखकर बहुत खुश हुए।एक दिन उन्होंने श्रवण से कहा, ‘‘बेटा, हम देख नहीं सकते, लेकिन हमें इस बात का कभी दुख नहीं हुआ. आप हमारे लिए हमारी आंखें हैं. जिस प्रकार आपने हमें सभी तीर्थों की कथा सुनाई है और उनके दर्शन कराये हैं, उससे ऐसा प्रतीत होता है जैसे हमने सचमुच प्रभु को अपनी आँखों से देख लिया है।”अपने माता-पिता की बात सुनकर श्रवण ने कहा, “आप लोग ऐसी बातें नहीं करते। माता-पिता कभी भी बच्चों के लिए बोझ नहीं होते। यह बच्चों का धर्म है।” एक दिन श्रवण कुमार अपने माता-पिता के साथ आराम करने के लिए अयोध्या के पास रुके। तभी उनकी मां ने पानी पीने की इच्छा जताई. श्रवण को पास ही एक नदी दिखाई दी। उसने अपने माता-पिता से कहा, “तुम दोनों यहीं आराम करो, मैं अभी तुम्हारे लिए पानी लेकर आता हूँ।”नदी के पास पहुंचकर श्रवण कुमार कमंडल में जल भरने लगे। उसी जंगल में अयोध्या के राजा दशरथ भी शिकार के लिए पहुंचे थे। पानी में हलचल की आवाज सुनकर उन्हें लगा कि कोई जानवर पानी पीने आया है। उसने बिना देखे, सिर्फ आवाज सुनकर तीर चला दिया। दुर्भाग्यवश इसकी मार सीधे श्रवण कुमार पर पड़ी। तीर लगते ही वह चिल्ला उठा।इसके बाद जब राजा दशरथ अपने शिकार को देखने आये तो श्रवण वहीं था। वह तुरंत श्रवण कुमार के पास गया और बोला, “मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गयी। कृपया मुझे माफ़ करें। मुझे नहीं पता था कि यहां कोई इंसान होगा. मुझे इस गलती का पश्चाताप करने के लिए क्या करना चाहिए ताकि आप मुझे क्षमा कर दें?”तब कराहते हुए श्रवण कुमार ने कहा, “मेरे माता-पिता यहां से थोड़ी दूरी पर जंगल में बैठे हैं। वह बहुत प्यासा है. तुम यह पानी उन तक पहुंचा दो और मेरे बारे में उन्हें कुछ मत बताना।” इतना कहते-कहते श्रवण कुमार की सांसें थम गईं।श्रवण कुमार की मृत्यु से राजा दशरथ स्तब्ध हो गये। किसी तरह वह श्रवण कुमार के कहे अनुसार पानी लेकर उनके माता-पिता के पास पहुंचा। श्रवण के माता-पिता अपने बेटे की आवाज़ अच्छी तरह से पहचानते थे। जब राजा दशरथ उनके पास पहुंचे तो उन्होंने आश्चर्य से पूछा, “आप कौन हैं और हमारे श्रवण को क्या हुआ? वह क्यों नहीं आये? राजा दशरथ उनके प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सके। उसने चुपचाप पानी उनकी ओर बढ़ा दिया। तभी श्रवण की माँ ने चिंतित स्वर में कहा, तुम मुझे बताते क्यों नहीं कि तुम कौन हो और मेरा बेटा कहाँ है?श्रवण की माँ की चिंता देखकर राजा दशरथ उसने कहा, “माँ, कृपया मुझे क्षमा करें। मैंने शिकार के लिये जो बाण चलाया था वह सीधा आपके पुत्र श्रवण को लगा। उन्होंने मुझे आप लोगों के बारे में बताया तो मैं पानी लेकर यहां आ गया।” इतना कहकर राजा दशरथ चुप हो गये।राजा दशरथ की बातें सुनकर श्रवण की मां जोर-जोर से रोने लगीं। अपने पुत्र की मृत्यु के दुःख में उन दोनों ने राजा दशरथ द्वारा लाये गये जल को भी नहीं छुआ। तब श्रवण के पिता ने अपने पुत्र के वियोग में राजा दशरथ को श्राप दिया। कुछ समय बाद श्रवण के माता-पिता ने अपने प्राण त्याग दिये।कहा जाता है कि श्रवण कुमार के पिता के श्राप के फलस्वरूप राजा दशरथ को अपने पुत्र राम से दूर रहना पड़ा था। राजा दशरथ के श्राप को पूरा करने के लिए भगवान राम को 14 वर्ष के वनवास में जाना पड़ा, जिससे दशरथ की पत्नी कैकेयी बनीं। श्रवण के पिता की तरह राजा दशरथ भी अपने पुत्र से दूरी सहन नहीं कर सके और उन्होंने अपने प्राण त्याग दिये। भगवान राम का सीता से विवाह होने के बाद उन्हें अयोध्या का राजा बनाना सुनिश्चित किया गया। उसकी सौतेली माँ उन्हें राजा न बनाकर अपने बेटे भरत को राजा बनाना चाहती थी । इसलिए उन्होंने, राजा दशरथ को राम को 14 साल के लिए वनवास भेजने के लिए कहा। चूंकि दशरथ अपने वचन से बँधे थे, उन्होंने दिल पर पत्थर रखकर यह सब किया। भगवान राम अपनी पत्नी और छोटे भाई लक्ष्मण के साथ वनवास के लिए जंगल चले गए।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, प्रतिपदा, सोमवार, ज्येष्ठा नक्षत्र, सिद्ध योगे, कौलव करणे, धनु की चंद्रमा, धान्य छेदन मुर्हूत, पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम लाभकारी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल- आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, सुशील, कोमल हृदय वाला, पारखी, वक्ता-अधिवक्ता, धनीमानी, शासक-प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी होगा।

मेष राशि :- व्यापार में प्रगति, यात्रा सुख, खर्च अधिक होगा तथा कार्य-अवरोध होगा।

वृष राशि :- कलह, अभीष्ट सिद्धी, धन लाभ, चिन्ता, शरीर सुख, मांगलिक कार्य अवरोध होगा।

मिथुन राशि :- भ्रमण बाधा, व्यापार पद लाभ, धार्मिक कार्य एवं शुभ कार्य में व्यय होगा।

कर्क राशि :- विघ्न-बाधा, व्यापार मध्यम, धार्मिक कार्य एवं शुभ कार्य में व्यय होगा।

सिंह राशि :- स्त्री-संतान सुख, यात्रा बाधा, कार्य में आर्थिक सुधार अवश्य होगा।

कन्या राशि :- भूमि लाभ, प्रवास कष्ट, व्यापार बढ़ेगा, शुभ समाचार तथा प्रसन्नता, कार्य बनेंगे।

तुला राशि :- कारोबार मध्यम, सफलता, स्त्री-कष्ट, व्यर्थ अनाप-शनाप व्यय, परेशानी बनेगी।

वृश्चिक राशि :- थोड़ा लाभ, खेती की चिन्ता, शिक्षा की स्थिति लाभदायक होगी।

धनु राशि :- शुरु में सुख, हानि, उन्नति, खेती के योग, कुछ अच्छे कार्य अवश्य होंगे।

मकर राशि :- हर्ष, भूमि लाभ, यश, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में सहयोगी सहायक रहेंगे।

कुंभ राशि :- हानि, राजभय, स्त्री-सुख, कार्य-सिद्धी, जमीन-जायजाद, गृहकार्य पूर्ण होंगे।

मीन राशि :- विद्या बाधा, विवाद, चोरों से सावधान रहें, पारिवारिक लोगों से लाभ एवं सहायता मिलेगी।

भारतीय राजनीति,अर्थशास्त्र और संस्कृति के महान शिल्पकार थे आचार्य चाणक्य

लेखक - कपिल भार्गव (बौहरे)

विश्व ब्राह्मण गौरव दिवस एवं आचार्य चाणक्य जी का जन्मोत्सव भारतीय संस्कृति, ज्ञान, राष्ट्रनीति और सनातन परंपरा के गौरव को स्मरण करने का पावन अवसर है। यह दिवस केवल एक समाज विशेष का उत्सव नहीं, बल्कि ज्ञान, शिक्षा, संस्कार, त्याग और राष्ट्रसेवा की महान परंपरा का सम्मान है। भारतीय सभ्यता में ब्राह्मण समाज को सदैव ज्ञान और धर्म का मार्गदर्शक माना गया है। वहीं आचार्य चाणक्य ने अपने अद्वितीय ज्ञान, दूरदर्शिता और नीति कौशल से भारत के इतिहास को नई दिशा प्रदान की। भारत की प्राचीन संस्कृति में ब्राह्मण समाज का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों और शास्त्रों की रक्षा एवं प्रचार-प्रसार में ब्राह्मणों की प्रमुख भूमिका रही है। गुरु-शिष्य परंपरा को जीवित रखने, समाज को नैतिक शिक्षा देने तथा धर्म और संस्कृति की रक्षा करने में इस समाज ने सदैव अग्रणी योगदान दिया है। प्राचीन काल में गुरुकुलों के माध्यम से शिक्षा का प्रकाश जन-जन तक पहुँचाने का कार्य ब्राह्मण आचार्यों द्वारा किया जाता था। उन्होंने केवल धार्मिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, खगोलशास्त्र, राजनीति और दर्शन जैसे विषयों में भी समाज का मार्गदर्शन किया। विश्व ब्राह्मण गौरव दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि ज्ञान और संस्कार किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। जिस समाज में शिक्षा, नैतिकता और संस्कृति का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ता है। आज के आधुनिक युग में भी ब्राह्मण समाज शिक्षा, प्रशासन, साहित्य, विज्ञान, कला और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह दिवस हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और नई पीढ़ी को भारतीय मूल्यों से परिचित कराने का अवसर प्रदान करता है। आचार्य चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, भारत के महान राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, शिक्षक और कूटनीतिज्ञ थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ जब भारत अनेक छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित था और विदेशी आक्रमणों का खतरा बढ़ रहा था। उस समय आचार्य चाणक्य ने अपने अद्भुत ज्ञान और रणनीति के बल पर भारत को एकजुट करने का संकल्प लिया। उन्होंने चंद्रगुप्त मौर्य को शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर मौर्य साम्राज्य की स्थापना करवाई, जो आगे चलकर भारत का सबसे शक्तिशाली साम्राज्य बना। आचार्य चाणक्य केवल एक महान शिक्षक ही नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले युगदृष्टा थे। उनकी प्रसिद्ध कृति अर्थशास्त्र आज भी राजनीति, अर्थव्यवस्था, प्रशासन और कूटनीति का महत्वपूर्ण ग्रंथ माना जाता है। इसमें उन्होंने राज्य संचालन, न्याय व्यवस्था, कर नीति, सुरक्षा, विदेश नीति और जनकल्याण के अनेक सिद्धांत बताए हैं। उनके विचार आज भी प्रशासनिक और प्रबंधन संस्थानों में अध्ययन का विषय बने हुए हैं। चाणक्य नीति में जीवन को सफल बनाने वाले अनेक सूत्र मिलते हैं। उन्होंने सत्य, अनुशासन, आत्मविश्वास, शिक्षा और परिश्रम को जीवन की सफलता का आधार बताया। उनका मानना था कि कोई भी व्यक्ति अपने जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से महान बनता है। उन्होंने युवाओं को सदैव जागरूक, शिक्षित और राष्ट्रभक्त बनने की प्रेरणा दी। उनकी नीतियाँ हमें सिखाती हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और बुद्धिमत्ता से कार्य करने वाला व्यक्ति अवश्य सफल होता है। आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब आचार्य चाणक्य के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। भ्रष्टाचार, नैतिक पतन, सामाजिक विभाजन और स्वार्थ की बढ़ती प्रवृत्तियों के बीच चाणक्य की शिक्षाएँ हमें राष्ट्रहित, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता का संदेश देती हैं। यदि युवा पीढ़ी उनके आदर्शों को अपनाए, तो देश का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बन सकता है। विश्व ब्राह्मण गौरव दिवस के अवसर पर हमें उन महान ऋषियों, आचार्यों और विद्वानों को स्मरण करना चाहिए जिन्होंने अपने ज्ञान और तपस्या से भारतीय संस्कृति को विश्वभर में प्रतिष्ठित किया। महर्षि वेदव्यास, महर्षि वाल्मीकि, आदिशंकराचार्य तथा आचार्य चाणक्य जैसे महापुरुषों ने भारत को ज्ञान और अध्यात्म की भूमि बनाया। उनका जीवन त्याग, तपस्या और राष्ट्रसेवा का अद्भुत उदाहरण है। यह दिवस हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह संकल्प लेने की प्रेरणा भी देता है कि हम शिक्षा, संस्कार, सत्य, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलेंगे।

मैंने शीर्षक और शुरुआती हिस्से को अधिक पेशेवर, प्रभावशाली और संपादकीय शैली में संक्षिप्त एवं सुव्यवस्थित किया है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया (महाराष्ट्र)

- » अमेरिका-ईरान तनावः समझौते और युद्ध के बीच झूलती दुनिया, वैश्विक भू-राजनीति के नए संकट की आहट
- » ट्रंप की बदलती रणनीति, ईरान का अडिग रुख और बढ़ती वैश्विक चिंताएं
- » अमेरिका-ईरान विवाद अब केवल दो देशों का टकराव नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, परमाणु प्रसार, महाशक्ति प्रतिस्पर्धा और विश्व अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है

गोंदिया। वर्ष 2026 में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव विश्व राजनीति की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक बन गया है। एक ओर दोनों देश वार्ता के माध्यम से समाधान तलाशने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंध, नौसैनिक गतिविधियां और युद्ध संबंधी चेतावनियां लगातार जारी हैं। इस कारण पूरी दुनिया की नजर इस संकट पर टिकी हुई है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वार्ताकारों द्वारा तैयार

किए गए मसौदा समझौते में और अधिक कठोर शर्तें जोड़ने की मांग की है। रिपोर्टों के अनुसार व्हाइट हाउस की उच्चस्तरीय बैठक के बाद ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम, संवर्धित यूरेनियम भंडार और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से संबंधित प्रावधानों को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं। इससे वह समझौता, जिसे कुछ समय पहले लगभग अंतिम माना जा रहा था, एक बार फिर अनिश्चितता के दौर में पहुंच गया है। वर्तमान संकट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता ट्रंप की लगातार बदलती रणनीति है। कभी वे समझौते को निकट बताते हैं, तो कभी स्पष्ट करते हैं कि अमेरिका को कोई जल्दबाजी नहीं है। साथ ही वे यह भी संकेत देते रहे हैं कि यदि ईरान अमेरिकी शर्तों को स्वीकार नहीं करता, तो सैन्य विकल्प पूरी तरह खुला रहेगा। इस बदलते रुख ने न केवल तेहरान बल्कि अमेरिका के सहयोगी देशों को भी असमंजस में डाल दिया है। अमेरिका की प्रमुख मांगों में ईरान द्वारा परमाणु हथियार कार्यक्रम को स्थायी रूप से त्यागने की अंतरराष्ट्रीय गारंटी, संवर्धित यूरेनियम भंडार का निस्तारण तथा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में निर्बाध समुद्री यातायात सुनिश्चित करना शामिल है। वहीं ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताते हुए अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने, फ्रीज की गई संपत्तियों की वापसी और क्षेत्रीय सुरक्षा मामलों में अपनी भूमिका की मान्यता की मांग कर रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि दोनों पक्ष फिलहाल पूर्ण युद्ध से बचना चाहते हैं, लेकिन किसी भी गलत सैन्य कदम, समुद्री झड़प, ड्रोन हमले या परमाणु मुद्दे पर बढ़ते गतिरोध के कारण स्थिति अचानक गंभीर रूप ले सकती है। वर्तमान परिस्थितियां स्पष्ट रूप से “न युद्ध, न शांति” की स्थिति को दर्शाती हैं। भारत सहित पूरी दुनिया के लिए यह संकट अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ता है तो तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे ऊर्जा कीमतों में तेज उछाल, महंगाई और आर्थिक अस्थिरता की आशंका बढ़ जाएगी। निष्कर्षतः अमेरिका और ईरान दोनों एक-दूसरे पर अधिकतम दबाव बनाकर अपने पक्ष में बेहतर समझौता हासिल करना चाहते हैं। अमेरिका की “मैक्सिमम प्रेशर” नीति और ईरान का अडिग रुख इस संकट को और जटिल बना रहा है। फिलहाल दुनिया की निगाहें आगामी अमेरिका-ईरान वार्ताओं, ट्रंप की नई शर्तों और तेहरान की प्रतिक्रिया पर टिकी हुई हैं। आने वाले दिन तय करेंगे कि यह संकट कूटनीतिक समझौते की ओर बढ़ेगा या फिर विश्व को एक नए भू-राजनीतिक संघर्ष का सामना करना पड़ेगा।

— एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी कर विशेषज्ञ | स्तंभकार | साहित्यकार | अंतरराष्ट्रीय लेखक एवं चिंतक गोंदिया, महाराष्ट्र

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

लेखक - सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है।भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही ‘अमृत’ अथवा ‘पूर्ण आहार’ माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद ‘केसीन’ नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयु:प्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूज़ीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में ‘ऑपरेशन फ्लड’ अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1970 में ‘मिल्कमैन ऑफ इंडिया’ के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ ‘ऑपरेशन फ्लड’ उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राज़ील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूज़ीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना ग़लत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। पशुओं में रोगों का प्रकोप, गुणवत्तापूर्ण चारे की कमी, जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान, दूध में मिलावट, कोल्ड-चेन अवसंरचना का अभाव तथा छोटे दुग्ध उत्पादकों को उचित मूल्य न मिलना प्रमुख समस्याएँ हैं। इन चुनौतियों के समाधान के लिए पशुओं के नियमित टीकाकरण, उन्नत नस्लों के विकास, संतुलित पशु आहार की उपलब्धता, आधुनिक डेयरी तकनीकों के उपयोग, दुग्ध संग्रहण एवं शीत भंडारण सुविधाओं के विस्तार तथा दूध की गुणवत्ता की प्रभावी निगरानी आवश्यक है। साथ ही किसानों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर डेयरी क्षेत्र को अधिक सशक्त, लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है। ऐसे प्रयास न केवल दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करेंगे, बल्कि किसानों की आय, पोषण सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेंगे। निष्कर्षतः, यहां पर यह बात कही जा सकती है कि विश्व दुग्ध दिवस केवल दूध के महत्व का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह किसानों, पशुपालकों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े करोड़ों लोगों के योगदान को सम्मान देने का अवसर भी है। दूध पोषण, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा का एक मजबूत आधार है। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पशुपालन और गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। सतत और समावेशी डेयरी विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा। स्वस्थ पशु, समृद्ध किसान और गुणवत्तापूर्ण दूध ही एक स्वस्थ, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव हैं।

मनु और सम्राट ने जीता रजत

विश्वकप में भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा

म्यूनिख, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और सम्राट राणा की जोड़ी ने शनिवार को आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन याओ कियानशुन और हू काई ने बेहद करीबी मुकाबले में मात्र 0.3 अंक के अंतर से हराया। इस रजत पदक के साथ भारत ने प्रतियोगिता का समापन दो स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ किया और पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। चीन चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

फाइनल में रोमांचक मुकाबला

फाइनल की शुरुआत भारतीय जोड़ी के लिए धीमी रही। पहले पांच-पांच शॉट्स की सीरीज के बाद भारत 100.0 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर था। सम्राट ने 51.0 और मनु ने 49.0 अंक बनाए। दूसरी सीरीज में मनु ने शानदार वापसी करते हुए 51.5 अंक जुटाए, जबकि सम्राट ने 49.9 अंक हासिल किए। इसके बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर पहुंच गई। तीसरी सीरीज के बाद भारत ने चीन से अंतर घटाकर सिर्फ 0.1 अंक कर दिया। मनु ने 51.8 और सम्राट ने 50.7 अंक का बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहली एलिमिनेशन सीरीज के बाद भारतीय जोड़ी ने 2.2 अंकों की बढ़त बना ली थी। मनु ने 30.9 और सम्राट ने 30.5 अंक हासिल किए, जबकि चीनी जोड़ी दबाव में दिखाई दी।हालांकि, अगले चरण में सम्राट के 31.2 अंकों के बावजूद मनु के कुछ कमजोर शॉट्स के कारण चीन ने वापसी कर ली। 21वें शॉट के बाद भारत की 2.2 अंकों की बढ़त खत्म हो गई और चीनी जोड़ी 0.2 अंक आगे निकल गई। अंतिम सीरीज में मनु ने 10.6 का शानदार शॉट लगाया, लेकिन सम्राट केवल 8.8 अंक ही जुटा सके। इसके बाद चीन ने बढ़त बनाए रखी और भारतीय जोड़ी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीन की दूसरी जोड़ी शेन यीहाओ और बू शुआइहांग ने कांस्य पदक जीता।

क्वालिफिकेशन में दूसरी भारतीय जोड़ी 10वें स्थान पर

क्वालिफिकेशन राउंड में भारत की दूसरी जोड़ी सुरुची सिंह और श्रवण कुमार 575-20× के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रही। सुरुची ने 291-11× और श्रवण ने 284-9× का स्कोर किया।दिन के पहले सत्र में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय जोड़ियां पदक दौर में जगह नहीं बना सकीं। एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता की जोड़ी 630.0 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रही। आर्या बोर्से और शाहू तुषार माने की जोड़ी 629.6 अंकों के साथ 16वें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में चीन के वांग जिफेई और शेंग लिहाओ ने स्वर्ण पदक जीता। नॉर्वे की जैनेट हेग डुएस्टैड और जॉन-हर्मन हेग ने रजत, जबकि चीन की हान जियायु और मा सिहान की जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

कोको गॉफ का अभियान समाप्त नाओमी ओसाका अगले दौर में

पेरिस, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की।

इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा जिन्होंने डारिया कसाटकिना को 6-0, 7-5 से हराया।

फिर से जीत दर्ज की

इसके अलावा जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7(7), 7-6(4), 6-7(4), 7-6(8) से हराया। जुआन का अगला मुकाबला 2021 में विंबलडन के फाइनलिस्ट रहे माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्हें फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6(3), 5-7, 6-7(4), 6-4, 7-6(13) से हराने में पांच घंटे, 13 मिनट लगे।

चौथे राउंड में जगह बनाई

वहीं, फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई। इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को दो घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेजांद्रो तबिलो ने 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी मोइसे कौमे को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6(9) से पराजित किया।

1000वें वनडे में पाकिस्तान की जीत, ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया; मिन्हास का कमाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने शनिवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में 21 वर्षीय स्पिनर अराफात मिन्हास ने अपने वनडे डेब्यू को यादगार बनाते हुए पांच विकेट झटके और पाकिस्तान की जीत के नायक बने। यह मुकाबला पाकिस्तान के वनडे इतिहास का 1000वां मैच भी था। इसके साथ ही पाकिस्तान भारत (1075) और ऑस्ट्रेलिया (1020) के बाद 1000 वनडे खेलने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया।

डेब्यू मैच में मिन्हास का ऐतिहासिक प्रदर्शन

बाएं हाथ के स्पिनर अराफात मिन्हास ने 32 रन देकर पांच विकेट लिए और वनडे डेब्यू में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले गेंदबाज बन गए। स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मिन्हास को अबरार अहमद (2/44) और सलमान अली आगा (1/21) का भी अच्छा साथ मिला। उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 44.1 ओवर में 200 रन पर सिमट गई। मिन्हास ने मैच के बाद कहा, 'दबाव तो था, लेकिन मुझे ऐसे माहौल का आनंद लेना पसंद है। मेरा पूरा ध्यान इस मौके का भरपूर फायदा उठाने पर था।' टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मिन्हास ने कप्तान जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन और कैमरून ग्रीन को जल्दी आउट कर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल में डाल दिया। एक समय टीम 16वें ओवर में 68 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी। सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने 55 रन बनाए, जबकि मैथ्यू रेनशॉ 61 रन के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। हालांकि कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और पूरी टीम 200 रन पर आउट हो गई।

नॉर्वे शतरंज में गुकेश ने प्रज्ञानंद को हराया, दिव्या महिला वर्ग में शीर्ष पर पहुंचीं

ओस्लो, एजेंसी। ओस्लो में चल रहे नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के पांचवें दौर में एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में आर. प्रज्ञानंद को हराकर अहम जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने जीत हासिल कर अंक तालिका में एकल बढ़त बना ली।

पांचवें दौर का सबसे चर्चित मुकाबला भारत के दो युवा ग्रैंडमास्टर्स गुकेश और प्रज्ञानंद के बीच खेला गया। मुकाबले के अधिकांश हिस्से में प्रज्ञानंद बेहतर स्थिति में नजर आए और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।हालांकि, अंतिम चरण में गुकेश ने मौके का फायदा उठाया। समय के दबाव और बढ़ते तनाव के बीच प्रज्ञानंद अपनी बढ़त को कायम नहीं रख सके। इसके बाद गुकेश ने स्थिति पर पूरी पकड़ बना ली और जीत दर्ज करने में सफल रहे। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला लंबे समय तक रणनीतिक लड़ाई के रूप में चला, लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने धीरे-धीरे बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन वेस्ली सो ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और क्लासिकल मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।दूसरे क्लासिकल मुकाबले में टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा और विन्सेंट कीमर के बीच खेल ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए और अंक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया।

पेरिस सेंट जर्मेन ने लगातार दूसरी बार जीता चैंपियंस लीग का खिताब

पेरिस, एजेंसी। बुडापेस्ट के पुस्कास एरेना में खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित क्लब खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर फाइनल में पहुंची आर्सेनल ने मुकाबले की तेज शुरुआत की। लिआंड्रो ट्रॉसार्ड ने पीएसजी की क्लियरेंस को रोका, जिसके बाद काई हैवर्ट्ज़ गेंद लेकर आगे बढ़े और कठिन कोण से शानदार फिनिश करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

पहला गोल खाने के बावजूद पीएसजी दबाव में नहीं दिखा और उसने पहले हाफ के अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, गैब्रियल और विलियम सलीबा की अगुआई में आर्सेनल की रक्षापंक्ति ने उन्हें साफ मौके नहीं दिए। दूसरी ओर, आर्सेनल के पास बढ़त दोगुनी करने का अवसर भी आया, लेकिन मार्किन्होस ने अंतिम क्षणों में शानदार ब्लॉक कर हैवर्ट्ज को दूसरा गोल करने से रोक दिया।आर्सेनल पूरे टूर्नामेंट में मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करता आया था और खिताब जीतने के लिए उसे सिर्फ क्लीन शीट की जरूरत थी। लेकिन दूसरे हाफ में क्रिस्थियन मोस्केरा ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया को पेनल्टी क्षेत्र में गिरा दिया, जिसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। ओस्मान डेम्बेले ने स्पॉट किक पर डेविड राया को गलत दिशा में भेजते हुए गोल किया और पीएसजी को 1-1 की बराबरी दिला दी।

व्यापार

एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया

मुकेश अंबानी की रिलायंस को 46,078.30 करोड़ की चपत, दो सरकारी कंपनियों को फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में पिछले हफ्ते ओवरऑल गिरावट रही। इस बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स कुल 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत और एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया। इस गिरावट का असर देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सामूहिक रूप से कुल 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ।

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, एसबीआई, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया।

रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान: रिलायंस का मार्केट कैप 46,078.30 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 33,333.06 करोड़ रुपये घटकर 11,46,641.84 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत भी 25,408.96 करोड़ रुपये कम होकर 11,14,886.53 करोड़ रुपये पर आ गई। टीसीएस का मूल्यांकन 22,920.58 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये रहा।

इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 13,169.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,04,210.54 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन भी 7,253.24 करोड़ रुपये घटकर 5,63,262.33 करोड़ रुपये रह गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन भी 6,311.41 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 9,00,589.91 करोड़ रुपये रह गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में गिरावट इन कंपनियों का कुल 1.54 लाख करोड़ का मार्केट कैप स्वाहा रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा 46,078.30 करोड़ का नुकसान एसबीआई, एलआईसी और लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में तेजी नौ कंपनियों ने गंवाए 2.18 लाख करोड़ रुपये, पिछले हफ्ते केवल एक कंपनी को हुआ फायदा।

एसबीआई और एलआईसी में उछाल

इस रुख के उलट लार्सन एंड टुब्रो की बाजार हैसियत पिछले सप्ताह 20,608.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,60,836.64 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 13,753.62 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 8,89,831.54 रुपये रहा। एलआईसी की बाजार हैसियत भी 6,040.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,20,484.06 करोड़ रुपये हो गई। इस उतार-चढ़ाव के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

नुकसान बना फायदा, भारत के एक्सपोर्ट में ट्विस्ट, गिरते रुपये में बाजी पलटने का दम देख रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर रुपये को अक्सर इकोनॉमिक स्ट्रेस यानी आर्थिक तनाव का संकेत माना जाता है। हालांकि, भारत के निर्यातकों के लिए यह अप्रत्याशित फायदे के तौर पर उभर सकता है। सरकार की ताजा आर्थिक समीक्षा में यह बात कही गई है। लेकिन, वित्त मंत्रालय ने आगाह किया है कि यह फायदा तभी मिलेगा जब ग्लोबल डिमांड मजबूत बनी रहे। साथ ही महंगाई को कंट्रोल में रखा जाए। मई महीने की अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में आर्थिक मामलों के विभाग ने तर्क दिया कि रुपये की हालिया गिरावट को केवल करेंसी की कमजोरी के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। इसके बजाय, उसने कहा कि कई सालों तक विनिमय दर के ज्यादा होने के बाद इस बदलाव ने भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'करेंसी की गिरावट को अंदरूनी कमजोरी के संकेत के तौर पर देखने की सोच समझ में आती है। लेकिन, इसकी बारीकी से जांच होनी चाहिए।' पिछले कुछ महीनों में भारतीय रुपया दबाव में आ गया है। इसके पीछे कई कारण हैं। इनमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का लगातार बाहर जाना और पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव शामिल है। समीक्षा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारत की मुद्रा में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद यह 4.9 प्रतिशत और कमजोर हो गई। 26 मई तक यह 95.7 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गई। फिर भी सरकार का तर्क है कि ज्यादा महत्वपूर्ण पैमाना नॉमिनल एक्सचेंज रेट नहीं, बल्कि रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट है। यह व्यापारिक साझेदारों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा का ट्रेड-वेटेड और इनफ्लेशन-एडजस्टेड पैमाना है। अप्रैल 2026 में भारत का था। यह एक दशक से भी ज्यादा समय में सबसे निचला स्तर था। 100 के मानक स्तर से यह काफी नीचे था। रिपोर्ट में बताया गया कि नवंबर 2024 में कई सालों के सबसे ऊंचे स्तर 108.03 पर पहुंच गया था। इससे हालिया सुधार से पहले वैश्विक बाजारों में भारतीय सामान कम प्रतिस्पर्धी हो गए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM
किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)